संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 332
पृष्ठ 8
शुक्रवार
23 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जन्माष्टमी विशेषः घर में रखे...

विचार- राहुल के दबाव में मोदी सरकार

खेल- ये पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच...

योगी ने आज सहारनपुर में भाजपा जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की समस्याएं सुनीं, समाधान का भरोसा दिया

सहारनपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद पहली बार सहारनपुर मंडल के सहारनपुर और मुजफ्फरनगर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों और पार्टी के पदाधिकारियों से समस्याएं जानीं। उन्होंने एक-एक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि से बातचीत की और भरोसा दिया कि समस्याओं का समाधान किया जाएगा। एक पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री से कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उनकी नहीं सुनते हैं और ना ही उन्हें कोई तवज्जों देते हैं। मुख्यमंत्री इस बात से गहरे तक व्यथित थे कि गंभीर प्रयास करने के बावजूद भाजपा को इस बार के लोकसभा चुनाव में सहारनपुर, कैराना और मुजफ्फरनगर तीनों सीटों पर मुंह की खानी पड़ी है। उन्होंने सरसरी तौर पर इसके कारण जानने की कोशिश भी की। हालांकि पूर्व में पार्टी हार की

समीक्षा भी कर चुकी है। जिसमें पार्टी की गुटबाजी और जनप्रतिनिधियों का पूरा सहयोग ना मिलना हार की बड़ी वजह सामने आया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर पुलिस लाइन के सभागार में भाजपा के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने संबंधी झूठे प्रचार किए थे जिससे भ्रमित होकर लोगों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया और भाजपा की सीटें गिरकर आधी रह गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बैठक में भूमि विकास बैंक नानौता के अध्यक्ष ठाकुर अजीत सिंह ने कहा कि भूमि विकास बैंक किसानों को साढ़े ग्यारह फीसद वार्षिक की दर पर कर्ज देता है जबकि सहकारी बैंक किसानों को मात्र तीन प्रतिशत वार्षिक की दर पर कर्ज उपलब्ध कराता है। राष्ट्रीयकृत बैंकों की ब्याज दर भी काफी कम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार इस पर विचार करेगी। कैराना के पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, सहारनपुर के पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, नगर विधायक राजीव गुंबर, जिला सहकारी बैंक के जिलाध्यक्ष चौधरी राजपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी आदि ने भी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति से परिचय लिया और समस्याएं जानी। उन्होंने बैठक में मौजूद सहारनपुर के प्रभारी मंत्री प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा सहारनपुर में प्रवास करें और यहां जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों में समन्वय बनाने का काम करें। बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने समस्याओं को नोट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने करीब एक घंटा जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कमिश्नर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद, डीआईजी अजय साहनी, डीएम मनीष बंसल ने जिले की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी उपेंद्र कुमार को कड़ी चेतावनी देते हुए सुधरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 10 दिन में कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें निर्देश दिए कि वे जिला पंचायत अध्यक्ष से समन्वय बनाकर काम करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 12 बजे सहारनपुर पुलिस लाइन पहुंचे जहां पूर्व मंत्री डा. धर्म सिंह सैनी, पूर्व मंत्री संजय गर्ग, पूर्व विधायक जगपाल सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी रोहित सिंह संजवान ने स्वागत किया।

भारत पोलैंड के बीच रणनीतिक साझीदारी स्थापित करने का फैसला

● मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच द्विपक्षीय वार्ता

वारसा, एजेंसी। भारत एवं पोलैण्ड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी का स्वरूप देने तथा आर्थिक सहयोग को व्यापक बनाने पर सहमति जताने के साथ संयुक्त राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को आतंकवाद सहित वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम बनाने के लिए उनमें व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। पोलैंड की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मेज़बान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच यहां प्रतिनिधि मंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय लिये गये। दोनों देशों ने शहरी विकास, तकनीकी उन्नयन एवं सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए अनेक फैसलों की घोषणा की। बैठक के बाद श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में वारसा में उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री श्री टस्क का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री टस्क लंबे समय से भारत के मित्र रहे हैं और भारत और पोलैंड के बीच संबंधों को बढ़ाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। आज के बाद 45 साल बाद, एक भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया। उन्हें अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में यह अवसर मिला। उन्होंने कहा, "मैं पोलैंड की सरकार और लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने 2022 में यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारतीय छात्रों को बचाने में जो मदद की है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।" प्रधानमंत्री ने कहा, "इस साल हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस मौके पर हमने रिश्ते को रणनीतिक साझीदारी में बदलने का फैसला किया है। भारत और पोलैंड के बीच संबंध लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। आज, हमने संबंधों को एक नई दिशा देने के लिए कई पहलों की पहचान की है।

बदलापुर कांड पर बोले उद्धव ठाकरे, सियासी दलों की प्राथमिकता होनी चाहिए लड़कियों की सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। बदलापुर के आदर्श एजुकेशन इंस्टीट्यूट के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण का मामला अब राजनीति गरमा गया है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बाद कि बदलापुर में प्रदर्शनकारी राजनीतिक कार्यकर्ता थे, शिवसेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और महागठबंधन सरकार की आलोचना की है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एमवीए द्वारा 24 अगस्त को आहूत बंद के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है, महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि बदलापुर की घटना के विरोध के पीछे राजनीति है, वे या तो सामान्य नहीं हैं या दोषियों को बचा रहे हैं। विपक्षी

गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने बताया कि एमवीए के घटक दलों– कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना–उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना–यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–शरदचंद्र पवार (राकांपा– एसपी) ने यहां एक बैठक में यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि एमवीए के सभी सहयोगी दल 24 अगस्त को बंद में भाग लेंगे। बंबई हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ आज यानी बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई करेगी। स्कूल के एक पुरुष सहायक द्वारा दो बच्चियों का कथित यौन उत्पीड़न किए जाने का मामला सामने आने के बाद बदलापुर में मंगलवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। प्राधिकारियों ने बुधवार को शहर में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं। पुलिस ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया है।

कोलकाता प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ नहीं हुआ गैंगरेप! सीबीआई ने किया बड़ा खुलासा

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता बलात्कार–हत्या मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए 22 अगस्त को सीबीआई को अपनी जांच पर एक स्थिति रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था। सीबीआई को अस्पताल में भीड़ की बर्बरता की भी जांच करनी थी और सभी विवरण प्रदान करने थे। सीबीआई ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल की है। कोलकाता की प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या के मामले में अब तक की गई सीबीआई की जांच से संकेत मिला है कि उसके साथ सामूहिक बलात्कार नहीं हुआ था। सीबीआई को 13 अगस्त को जांच सौंपी गई थी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 31 वर्षीय डॉक्टर के बलात्कार और हत्या में एक व्यक्ति संजय रॉय की संलिप्तता पाई गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सीबीआई जांच में मृतका के बलात्कार और हत्या में केवल संजय रॉय नामक शख्स की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया है। हालांकि जांच अभी भी जारी है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि फोरेंसिक रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि कोलकाता पुलिस से जुड़े एक नागरिक स्वयंसेवक रॉय ने डॉक्टर के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए काम करेगी कांग्रेस : खड़गे

श्रीनगर, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए काम करेगी। श्री खड़गे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा घटाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने और वहां के नागरिकों के अधिकारों को छीनने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां कोई परिषद, विधानसभा, पंचायत या नगर पालिका नहीं है। लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने के बजाय भाजपा ने उन्हें बेदखल कर दिया है। उन्होंने कहा, "भाजपा और मोदी लोगों की आवाज दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। लोकतंत्र में हमेशा लोगों की आवाज ही गूंजती है। कांग्रेस लोगों की आकांक्षाओं का समर्थन करेगी और उनके अधिकारों के लिए उनके साथ लड़ेगी।" उन्होंने कहा कि भाजपा जम्मू–कश्मीर से जंगल और जमीन सहित सब कुछ छीनने की कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस ऐसा कभी नहीं

होने देगी। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में कहा कि लाखों पदों की रिक्तियां अभी भी हैं, लेकिन इसके बजाय भाजपा स्थायी नौकरियों को अस्थायी या अनुबंध आधार पर बदल रही है। उन्होंने जोर दिया कि जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा अधिकार का मामला है। उन्होंने देश के कानून का हवाला दिया और कहा कि इतिहास में किसी भी राज्य को कभी भी केंद्र शासित प्रदेश में नहीं बदला गया है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने दो करोड़ नौकरियां देने, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने और काला धन वापस लाने सहित अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए भाजपा की आलोचना की। भाजपा को लोकसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने से रोकने में इंडिया समूह की सफलता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, "आज, वे वक्फ बोर्ड विधेयक जैसे कानून पारित करने के बारे में चिंतित हैं, जिसे संसद में पेश किया गया था और बाद में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था।" उन्होंने संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के खिलाफ खड़े होने के लिए श्री राहुल गांधी को श्रेय दिया। उन्होंने भाजपा पर बहुमत का फायदा उठाने और जनहित विरोधी कानून पारित करने के लिए आलोचना की, जिसमें लेटरल एंट्री सिस्टम, किसानों के खिलाफ तीन कानून और मजदूरों के खिलाफ चार कानून शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अपील का दिखा असर

रेजिडेंट डॉक्टरों ने 11 दिन बाद खत्म की अपनी हड़ताल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने गुरुवार को अपनी 11 दिन की हड़ताल खत्म करने का फैसला किया है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की अपील और निर्देश के बाद लिया गया है, जिसमें डॉक्टरों से अपनी ड्यूटी पर लौटने का आग्रह किया गया था। आरडीए ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना को स्वीकार करने और देश भर में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के बड़े मुद्दे को संबोधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त किया। एम्स आरडीए के नक्शेकदम पर चलते हुए राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने भी अपनी हड़ताल समाप्त कर दी है और काम पर लौट आए हैं। आरडीए ने एक बयान में कहा, ष्हम देश भर में स्वास्थ्य पेशेवरों की भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की ईमानदारी से सराहना करते हैं।'' इससे पहले दिन में, सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने को कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके वापस आने के बाद कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। आरडीए ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''आरजी कर घटना में सर्वोच्च न्यायालय की अपील और आश्वासन तथा हस्तक्षेप और डॉक्टरों की सुरक्षा के बाद हम काम पर लौट रहे हैं। हम न्यायालय की कार्रवाई की सराहना करते हैं और उसके निर्देशों का पालन करने का आह्वान करते हैं। मरीजों की देखभाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।'

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

रेप के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बलात्कार के मामलों पर सख्त कानून बनाने की मांग की। यह घटनाक्रम कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए भयानक बलात्कार और हत्या को लेकर लोगों के गुस्से के बीच हुआ है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को बलात्कार–हत्या मामले और उसके बाद आरजी कर अस्पताल में हुई बर्बरता को लेकर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जहां यह घटना हुई थी। ममता बनर्जी ने आरजी कर अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के लिए भाजपा और वामपंथियों (राम और बाम) को दोषी ठहराया और दावा किया कि उन्होंने बलात्कार मामले में सबूत नष्ट करने का प्रयास किया। प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ अस्पताल के सेमिनार हॉल में बलात्कार किया गया और 9 अगस्त को उसका शव मिला। घटना के एक दिन बाद ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार अपराधी के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी। उन्होंने पुलिस को चेतावनी भी दी थी कि अगर वे 18 अगस्त तक मामले को सुलझाने में असमर्थ रहे तो जांच सीबीआई को सौंप दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, मैं आपका ध्यान देशभर में बलात्कार की बढ़ती घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कई मामलों में बलात्कार के साथ हत्या भी की जाती है। यह देखना भयावह है कि देशभर में प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। इससे समाज और राष्ट्र का विश्वास और विवेक डगमगाता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस पर रोक लगाएं, ताकि महिलाएं सुरक्षित महसूस कर सकें।

वेद छात्रों ने ब्रह्मांड के रहस्यों पर पूछे सवाल

वैदिक विद्वानों ने कहा `सर्वज्ञानमयो हि सः, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर वेद छात्रों ने प्रतियोगिता में दिखाए हुनर

प्रयागराज। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर झूसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम हुए। छात्रों ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 की थीम ष्अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोगों का अतीत, वर्तमान और भविष्यष पर यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर (अंतरिक्ष विभाग, इसरो) द्वारा ऑनलाइन प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर विभिन्न आकर्षक मॉडल एवं पोस्टर बनाए।

वेद विद्यालय में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों और अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर और निबंध, मॉडल बिल्डिंग, क्विज एवं पेटिंग प्रतियोगिता हुई। यह प्रतियोगिता 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह का हिस्सा है। इस दौरान वेद छात्रों को अंतरिक्ष के रहस्यों से अवगत कराने के लिए एक वीडियो स्लाइड के माध्यम से भारतीय चंद्रयान–3 विक्रम लैंडर के चंद्रतल तक सफलतापूर्वक लैंड करने के रोमांचकारी सफर को भी दिखाया गया।

वेदों में सभी विद्याओं के सूत्र विद्यमान हैं

वेद छात्रों ने ब्रह्मांड के रहस्यों के बारे में कई सवाल पूछे जिनके उत्तर बताते हुए विद्यालय के वैदिक विद्वानों ने छात्रों को बताया कि वेदों में सभी विद्याओं के सूत्र विद्यमान हैं। ष्सर्वज्ञानमयो हि सःश (मनु० २.७) वेदों में जहाँ धर्म, नीतिशिक्षा, सामाजिक शास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद आदि से संबद्ध पर्याप्त सामग्री उपलब्ध है, वहीं विज्ञान के विविध अंगों – भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, जन्तुविज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, गणितशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, वृष्टिविज्ञान, मनोविज्ञान, पर्यावरण एवं भूगर्भविज्ञान से संबद्ध सामग्री भी बहुलता से मिलती है। इसरो चीफ एस. सोमनाथ ने भी उज्जैन में अपने एक वक्तव्य में बताया था कि वेदों में अंतरिक्ष विज्ञान के सिद्धांत मिलते हैं।

विमान के लिए दिव्य रथ या आकाशीय नौका का प्रयोग वेदों के अनेक मंत्रों में अन्तरिक्ष यात्रा का उल्लेख है। ब्रजमोहन पाण्डेय ने कहा कि विमान के लिए दिव्य रथ या आकाशीय नौका (।पत–ैपच) आदि शब्दों का प्रयोग हुआ है। एक मंत्र में आकाश में विचरण करने वाली आकाशीय नौका का उल्लेख है। इसमें श्अपोदकाभिःश शब्द से संकेत किया गया है कि इस पर जल का प्रभाव नहीं होता। ऐसी आकाशचारी नौकाओं को श्अन्तरिक्षप्रुत्श कहते थे। तैत्तिरीय आरण्यक (१.१०.२) में इन्हें श्अन्तरिक्षप्रुट्श कहा गया है। यजुर्वेद में सौर वर्ष एवं चन्द्र वर्ष में सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रत्येक पाँच साल को युग मानते हुए अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व के बारे में बताया गया है – ऋग्वेद, शतपथ ब्राह्मण आदि ग्रन्थों में नक्षत्र, चंद्रमास, सौरमास, मलमास, ऋतु परिवर्तन, उत्तरायण, दक्षिणायन, आकाश चक्र, सूर्य की महिमा, कल्प का माप आदि के संदर्भ में अनेक उद्धरण मिलते हैं। यजुर्वेद में 18 अध्याय के 40वें मंत्र में यह बताया गया है कि सूर्य किरणों के कारण चंद्रमा प्रकाशमान है। वैज्ञानिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि दृश्यमान सूर्य के सदृश अंतरिक्ष में अनेक सूर्य हैं तथा उनकी परिक्रमा अन्य आकाशीय पिण्ड कर रहे हैं। ऋग्वेद में यह बात हजारों साल पहले ही कह दी गयी कि "सप्त दिशो नानासूर्याः, देवा वेद विद्यालय के प्राचार्य आदित्या ये सप्त।" अथर्ववेद में भी यही बात कही गयी है–यस्मिन् सूर्या अपिताः सप्त साकम्।मैत्रेयी उपनिषद में सूर्य और सात ग्रहों (पृथ्वी के अलावा, जिनमें चंद्रमा भी शामिल) का वर्णन है। खगोल विज्ञान के बारे में जानकारी देने वाले वैदिक ग्रन्थ गार्गी संहिता व बृहत्संहिता हैं।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के शिक्षक अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि चंद्रयान–3 मिशन की सफलता अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की एक बड़ी उपलब्धि है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सफल सॉफ्ट लैन्डिंग पर देश के वैज्ञानिकों की टीम की वर्षों की कड़ी मेहनत है। जिस पॉइंट पर विक्रम लैंडर उतरा है वह पॉइंट 'शिव शक्ति पॉइंट' के नाम से जाना जाता है।

इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता, चंद्रयान मॉडल आदि बनाने में प्रमुख रूप से वेद भूषण एवं वेदविभूषण के वेद छात्र सिद्धार्थ त्रिपाठी, संदीप शुक्ला, उमंग पाण्डेय, अस्मित त्रिपाठी, अनुभव पाण्डेय, प्रतीक तिवारी, उत्तम द्विवेदी, दिव्यांशु शुक्ला, पुष्कर तिवारी, राज मिश्रा, आदर्श तिवारी, जितेंद्र पाण्डेय, सफल तिवारी, विशाल उपाध्याय, युवराज द्विवेदी, जयहिन्द ओझा, विमलेश मिश्रा, अभिनव शुक्ला, राज शुक्ला, रुद्र मिश्रा, अर्पित पाण्डेय, मधुसूदन मिश्रा, नैतिक पाण्डेय, अमन तिवारी आदि ने हिस्सा लिया।

सपा नेता आजम खान के मामले में आज सुनवाई

रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में गुरुवार को जेल में बंद सपा नेता आजम खान के मामले में सुनवाई होगी। जौहर यूनिवर्सिटी में सफाई मशीन बरामद होने के मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने को कहा था। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। गुरुवार को यह मामला हाईकोर्ट की लिस्टिंग में आ गया। ऐसे में केस की सुनवाई हो सकती है।

जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की मशीन मिलने का मामला

जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। गुरुवार को यह मामला हाईकोर्ट की लिस्टिंग में आ गया। ऐसे में केस की सुनवाई हो सकती है।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के करीबी सालिम और अनवार की निशानदेही पर रामपुर पुलिस ने 19 सितंबर 2022 को जौहर यूनिवर्सिटी से नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन और उसके कटे हुए पार्ट्स बरामद किए थे। यह मशीन यूनिवर्सिटी कैंपस में दबाई गई थी।

सामाजिक कार्यकर्ता वाकर अली खान की तहरीर पर आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और अनवार तथा सालिम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। रामपुर के कोतवाली थाने में यह मामला दर्ज हुआ था। रामपुर नगर पालिका के इस प्रकरण में नामजद आरोपी अनवार और सालिम को जमानत मिल चुकी है। हालांकि आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम अभी भी इसका इंतजार कर रहे है।

प्रयागराज में नाव पर घूमने वाले सुनेंगे श्रीराम की कहानी

पर्यटन विभाग ने की पहल, 25 नाविकों को दी गई ट्रेनिंग

प्रयागराज। प्रयागराज का श्रृंगवेरपुर वह पवित्र स्थल है। जहां पर निषाद राज ने प्रभु श्रीराम को अपनी नाव से गंगा पार कराई थी। अब यहां के नाविक श्रद्धालुओं को न सिर्फ नाव की सवारी कराएंगे बल्कि नाव चलाते समय उन्हें श्रीराम से जुड़ी कहानियां भी सुनाएंगे। यह पहल पर्यटन विभाग की ओर से किया जा रहा है। यहां के नाविकों को इसके लिए बाकायदा ट्रेनिंग भी दी चुकी है।

गाइड से ज्यादा ट्रेंड होंगे यह नाविक

जिस तरह से देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को गाइड पूरी जानकारी देते हैं उससे बेहतर ट्रेंड नाविक श्रद्धालुओं को श्रीराम आगमन की पूरी कहानी सुनाएंगे।

नाविक, बताएंगे कि "अयोध्या से निकलने के बाद श्रीराम किस तरह वह श्रृंगवेरपुर पहुंचे थे और यहां हमारे पूर्वज निषाद राज से मुलाकात हुई और उन्होंने श्रीराम, सीता और लक्ष्मण को गंगा पार कराया था। इसके बाद श्रृंगवेरपुर से श्रीराम प्रयागराज में स्थित भारद्वार मुनि के आश्रम में पहुंचे थे। यहां विश्राम के बाद वह चित्रकूट के लिए रवाना हो गए थे।"

श्रृंगवेरपुर में 25 नाविकों को मिल चुकी है ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से श्रृंगवेरपुर में 25 नाविकों को इस संबंध में ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इसमें नाविकों को नाव चलाने के साथ–साथ कहानियां सुनाने की कला भी सिखाई जा रही। इसका उद्देश्य श्रृंगवेरपुर धाम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देना है। जिससे पर्यटक अब इस पौराणिक नगरी की कहानियों को सीधे नाविकों से सुन सकेंगे। स्टोरी टेलर गौरव श्रीवास्तव ने नाविकों को बड़े ही रोचक अंदाज में कहानियां सुनाई, उन्होंने श्रृंगवेरपुर धाम से जुड़ी पौराणिक कहानियों का परिचय कराने के साथ–साथ, स्टोरी टेलिंग की तकनीक भी सिखाईं।

धर्म परिवर्तन केस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

फादर, कर्मकांडी, मौलवी या मुल्ला जबरन धर्म बदलवाते हैं तो धर्मांतरण विरोधी कानून में जिम्मेदार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर धर्म परिवर्तन के मामले पर गंभीर टिप्पणी की है। साथ ही इस मामले पर चिंता जताई है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा– फादर, कर्मकांडी, मौलवी या मुल्ला, आदि। अगर वह किसी व्यक्ति का जबरन, गलत बयानी, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती और प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराता है तो वह यूपी धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत जिम्मेदार होगा।

हाईकोर्ट ने धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी श्मौलानाश (धार्मिक पुजारी) की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मोहम्मद शाने आलम नाम के शख्स को जमानत देने से इंकार करते हुए कहा जबरन धर्म परिवर्तन का आरोपी को जमानत का अधिकार नहीं है। याची मौलाना पर एक पीड़िता को जबरन श्इस्लामश में परिवर्तित करने और एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ उसका निकाह कराने का आरोप लगा है।

प्रयागराज के ईडी ऑफिस पर कांग्रेस का प्रदर्शन

पूर्वांचल के ह्जारों कार्यकर्ता पहुंचे, कांग्रेस नेता बोले- ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही सरकार

प्रयागराज। प्रयागराज में आज 22 अगस्त को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी (प्रर्वतन निदेशालय) कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन में प्रयागराज के साथ–साथ पूरे पूर्वांचल के कई जनपदों से पदाधिकारी व कार्यकर्ता पहुंचे है।

ईडी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष सुरेश यादव की अगुवाई में यह विरोध प्रदर्शन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर किया गया है। कांग्रेसी सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर के पास धरनास्थल पहुंचे। यहां से सभी नारेबाजी करते हुए ईडी कार्यालय आए।

ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही सरकार

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यवीर सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शन ईडी के खिलाफ है। यह सरकार ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही है। ईडी एक निष्पक्ष एजेंसी है लेकिन इसका दुरूपयोग किया जा रहा है। विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए सरकार ईडी का सहारा ले रही है। कांग्रेसी इसे नहीं होने देंगे।

ज्ञानवापी केस में 9 सितंबर को होगी सुनवाई

वजूखाने का सर्वे कराने के मामले में मस्जिद कमेटी ने कोर्ट में ह्लफनामा दिया, हिंदू पक्ष ने समय मांगा

प्रयागराज। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में स्थित कथित वुजूखाने का आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से सर्वे कराने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चली। अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी द्वारा जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया गया। इसके बाद याची राखी सिंह की तरफ से इसका जवाब दाखिल करने का समय मांगा गया। इसके बाद कोर्ट ने डेट लगा दी। अब मामले की सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ मामले की सुनवाई कर रही है। श्रृंगार गौरी केस की मुख्य वादी राखी सिंह ने जिला अदालत के आदेश को चुनौती दी है जिसमें सुप्रीम कोर्ट के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के कारण अदालत ने हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए अर्जी खारिज कर दी थी।याची का कहना है कि जिस तरह ज्ञानवापी के पूरे परिसर का एएसआई सर्वे किया गया है। उसी तरह से सील वुजूखाने शिवलिंग को छोड़कर,का भी सर्वे किया जाना चाहिए। जिससे कथित वुजूखाने के वास्तविक चरित्र का पता चलेगा।

श्रृंगार गौरी केस की मुख्य याचिकाकर्ता राखी सिंह की तरफ से ज्ञानवापी परिसर में स्थित वजूखाने के ASI सर्वेक्षण की मांग को लेकर सिविल रिवीजन (सिविल पुनरीक्षण) याचिका दाखिल की गई है। श्रृंगार गौरी केस में वादी राखी सिंह की तरफ से जिला जज वाराणसी के फैसले के खिलाफ दायर सिविल रिवीजन याचिका की गई है।

हिंदू पक्ष ने शिवलिंग होने का दावा किया

याचिका में ज्ञानवापी के पूरे परिसर के किए गए सर्वे की तरह ही सील वजूखाने का भी सर्वे कराए जाने की मांग की गई है। 2 साल पहले कथित शिवलिंग मिलने के बाद वजूखाने को सील कर दिया गया था। मुस्लिम पक्ष की ओर से इसे फव्वारा बताया जाता है, लेकिन हिंदू पक्ष इसे शिवलिंग होने का दावा कर रहा है।

जानिए 9 जुलाई को कोर्ट में क्या हुआ था

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी करके ज्ञानवापी वजूखाना सर्वे पर पक्ष रखने को कहा है। पूछा है कि सर्वे क्यों न कराया जाए। मस्जिद कमेटी को जल्द जवाब देना है। जज अगली सुनवाई 14 अगस्त को करेंगे।

कोर्ट नंबर 69 में जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की बेंच में मामले की 1.15 घंटे सुनवाई चली। हिंदू पक्ष ने सुनवाई के दौरान कहा– ज्ञानवापी वजूखाना के धार्मिक पहलू को जानने के लिए सर्वे जरूरी है।

प्रयागराज में बांग्लादेश के खिलाफ सड़क पर उतरे हिंदू संगठन

भगवा के साथ तिरंगा लहराया, पुतला फूंका, पीएम मोदी से कार्रवाई की मांग की

प्रयागराज। प्रयागराज में गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ आक्रोश फूट पड़ा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, मारपीट, लूटपाट के विरोध में हिंदूवादी संगठन एकजुट होकर सड़क पर उतर आए। केपी कॉलेज मैदान में जमा हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की।

बांग्लादेश मुर्दाबाद, होश में आओ, अत्याचार के खिलाफ एक्शन हो, ऐसी मांगों को लेकर महिलाओं ने भी जमकर नारेबाजी की। आक्रोशित लोगों ने बांग्लादेश का पुतला फूंक गुस्सा जताया।

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मार्च निकाल प्रधानमंत्री मोदी से मांग किया कि बंगलादेश के मामले में एक्शन लें। कई संगठन भगवा के साथ तिरंगा लेकर प्रदर्शन करते नजर आए। पैदल मार्च, विरोध प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के साथ ही बजरंग दल और अन्य दूसरे संगठनों के लोग एकसाथ प्रदर्शन में शामिल हुए। व्यापारी संगठनों के नेता भी पहुंचे।

श्री राम वाटिका कटरा में हिंदू रक्षा समिति कई दिन पहले विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन, अधिवक्ता संघ, शिक्षक संघ, सिविल लाइंस व्यापार मंडल, इस्कॉन मंदिर गुरुद्वारा, जैन मंदिर समेत अन्य संगठन, पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रयागराज में तेज बारिश, देर से खुले बाजार

पुराने शहर में जलभराव से लोगों को आने–जाने में दिक्कत, उमस–गर्मी से मिली राहत

प्रयागराज। प्रयागराज में गुरुवार सुबह पहले तेज हवाएं चलीं, फिर एकदम से झमाझम बारिश शुरू हो गई। तेज बारिश होने की वजह से सुबह शहर के बड़े बाजारों में दुकानें देरी से खुलीं। बारिश की वजह से स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशान होना पड़ा।

शहर में गुरुवार सुबह सात बजे से बारिश रुक–रुक कर हो रही थी। फिर अचानक पुराने शहर में तेज बारिश शुरू हो गई। देर से हो रही बारिश की वजह से कई इलाकों में जलभराव हो गया। पुराने शहर में जगह–जगह सड़कें खोदी गई हैं।

सड़कों पर पानी भरने से आने–जाने में दिक्कत

ऐसे में सड़क पर पानी भरने से वाहनों के आने–जाने में दिक्कत हो रही है। बारिश से निरंजन डॉट पुल के नीचे पानी भर गया। ऐसे में उधर जाम लगने से अफरा–तफरी का आलम रहा। नखासकोहना, रानीमंडी, हसन मंजिल, बक्शी बाजार, शाहगंज, बेनीगंज, मुट्ठीगंज आदि इलाकों में जगह–जगह बारिश का पानी सड़क पर भरने से पैदल चलने में भी दिक्कत हो रही है।

प्रयागराज में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। हालांकि बारिश की वजह से मौसम ठंडा होने लगा है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है लेकिन लगातार बारिश से लोगों की परेशानियां भी बढ़ गईं हैं। सड़कों पर जलभराव होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करायें : जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता मुन्ना लाल निवासी रैय्यापुर तहसील कुण्डा ने शिकायत किया कि गाटा संख्या 1581 बंजर खाते की भूमि है जिसमें लगभग 5 विस्वाक्षेत्र पर प्रेम प्रकाश यादव निवासी सिलावटपुर ने जबरन अवैध कब्जा कर लिया है। इसी प्रकार प्रेम प्रकाश द्वारा कई अन्य स्थानों पर सिंचाई विभाग व लोक निर्माण की भूमियों पर अवैध कब्जा किये हुये है जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कुण्डा को निर्देशित किया है कि बंजर की जमीन से अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही करें एवं आख्या उपलब्ध करायें।

शिकायतकर्ता कुंवर विनय सिंह निवासी सिलावटपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी ने सिंचाई विभाग के नाले पर बनी पुलिया पर प्रेम प्रकाश यादव व जय सिंह यादव निवासी सिलावटपुर द्वारा दीवाल बनाकर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत आईजीआरएस पर की थी जिसकी जांच सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड द्वारा की गयी और जांच में अवैध अतिक्रमण व पुलिया पर दीवाल निर्माण पाया गया और सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड प्रथम के माध्यम से अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने हेतु तहरीर थाना कुण्डा पर दी जा चुकी है किन्तु विपक्षी के दबाव व प्रभाव के कारण थाना कुण्डा पर आज तक कोई मुकदमा नही लिखा जा सका, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ कुण्डा को निर्देशित किया कि जब तहरीर दी गयी है तो एफआईआर दर्ज कर उचित कार्यवाही की जाये। शिकायतकर्ता अमित मिश्र निवासी सुन्दरपुर पोस्ट परसरामपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी एक बेरोजगार और गरीब युवक है जिसके ऊपर असामाजिक तत्वों द्वारा 155६ 20 का एफआईआर कर युवक को परेशान करने के लिये ईष्या बस कराया गया था जिसकी विवेचना की गयी और एफआईआर फर्जी पाया गया, फर्जी एफआईआर कराने वाले सभी दोषियों 420 का एफआईआर कराया जाये, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसओ कोहड़ौर को निर्देशित किया है कि जांच कर उचित कार्यवाही की जाये। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अन्य प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण यथाशीघ्र किया जाये।

कृष्ण मुरारी। हाइकु

हे बनवारी
मोर मुकुट –धारी
कृष्ण मुरारी

श्याम बिहारी
राधिका के मोहन
ओ गिरधारी

सुनो माधव
पीड़ित है गोकुल
सूना वैभव

बृज में आओ
वेणु–नाद सुनाओ
रास रचा ओ

विजय लक्ष्मी दो
धन दौलत हमें दो
बुद्धि बल दो

गोपी का बिरह
मिटाओ हे बृज नन्दन
राधा के सांवरिया

मैया के लाला
ब्रज के बसैया नन्दलाल
वृन्दावन में आओ

नाग के नथैया
यशोदा के लाला गोपाल
मधुवन में कन्हैया

शरद ऋतु में
रास के रचौया मोहन
बृजधाम में आओ

वृषभानुजा

भ्रमित किये जाने वाले उर्वरकों की विक्री, संचलन एवं भण्डारण पर होगी कार्यवाही

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारीध्उर्वरक निबन्धन प्राधिकारी अशोक कुमार ने कहा है कि उर्वरक विनिर्माता, फुटकर उर्वरक विक्रेता एवं थोक उर्वरक विक्रेता द्वारा उन्हीं उत्पादों का विनिर्माणध विक्रयध्भण्डारणध्परिसंचयन किया जाये जो कि उर्वरक (अकाबर्निक, काबर्निक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश 1985 में वर्णित हो अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित हो। उसके अतिरिक्त ऐसे किसी भी उत्पाद का विक्रय न किया जाये जिसके उर्वरक होने का भ्रम हो अथवा उर्वरकों के स्वरूप से मिलता जुलता है। फास्फेट रिच आर्गेनिक मैन्योर के प्रकरणों में यह सुनिश्चित किया जाये कि उनके बैगो में जैविक डीएपी, बायो डीएपी, आर्गेनिक डीएपी, डीएपी का विकल्प, भारत सरकार डीएपी, डीएपी (डयूरवल एग्रीकल्चर प्रोडक्ट), डीएपी (डबल एक्शन पावर), डीएपी व पोटास इत्यादि न अंकित हो। उन्होने बताया है कि जनपद में ऐसे सभी मिलते जुलते नामों वाले आभासी उर्वरकों की विक्री, उनके द्वारा संचलन तथा भण्डारण को पूर्णरूप से प्रतिबन्धित किया जाता है।

उन्होने कहा है कि जनपद के समस्त खुदराध्थोक एवं उर्वरक विनिर्माता कम्पनियों को आदेशित किया है कि आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये, यदि किसी खुदराध थोक एवं विनिर्माता कम्पनी द्वारा भ्रमित किये जाने वाले उर्वरकों की विक्री, संचलन एवं भण्डारण किया जाता है, साथ यह भी सभी खुदराध्थोक एवं उर्वरक विनिर्माता कम्पनी यह सुनिश्चित कर ले यदि उनके पास भ्रामक उर्वरकों का भण्डारण हो तो उसे तत्काल हटवाना सुनिश्चित करें, यदि निरीक्षण के दौरान भ्रमिक उर्वरक पाये जाते है तो सम्बन्धित के विरूद्ध उर्वरक (अकाबर्निक, काबर्निक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश 1985, उर्वरक संचालन नियंत्रण आदेश 1973 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुये विधिक एवं प्रशासनिक कार्यवाही की जायेगी जिसके लिये आप स्वयं उत्तरदायी होगें।

जनपद में जो व्यक्ति/मैनुअल स्कैवेन्जर्स सर्वेक्षण में छूट गये है, अपनी आपत्ति 15 दिवस में दर्ज करायें : डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनके पुर्नवास अधिनियम–2013 (एम0एस0 एक्ट–2013) के अन्तर्गत जनपद प्रतापगढ़ सीमान्तर्गत नगरीय क्षेत्र में नगर विकास विभाग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग द्वारा मैनुअल स्कैवेन्जरों एवं अस्वच्छ शौचालयों का पुनः सर्वेक्षणधचिन्हिकरण कराया गया है, सर्वेक्षणोपरान्त पाया गया कि जनपद प्रतापगढ़ सीमान्तर्गत कोई स्वच्छकार एवं उनके आश्रित मैनुअल स्कैवेन्जर्स का कार्य नहीं करते है। इस क्रम में जनपद प्रतापगढ़ मैनुअल स्कैवेन्जर्स मुक्त घोषित किया जाना है। इस सम्बन्ध में जनपद में जो व्यक्तिध्मैनुअल स्कैवेन्जर्स सर्वेक्षण में छूट गये है, अपनी आपत्तिध्सुझाव 15 दिवस के भीतर कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)धजिला प्रबन्धक उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड प्रतापगढ़ में दर्ज करा सकते है।

जनपद स्तरीय आशा सम्मलेन का आयोजन 23 अगस्त को

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने बताया है कि दिनांक 23 अगस्त को पुलिस लाइन प्रांगण में स्थित सांस्कृतिक टीन सेड में पूर्वान्ह 10 बजे से जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा जिसमें आशा एवं आशा संगिनियॉ प्रतिभाग करेंगी।

जनपद में भारी वर्षा, आंधी तूफान, अतिवृष्टि एवं आकाशीय विद्युत से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि मौसम विभाग लखनऊ द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार जनपद प्रतापगढ़ एवं आस–पास के क्षेत्रों में दिनांक 22 अगस्त से 26 अगस्त 2024 के मध्य भारी वर्षा होने की संभावना है। जारी पूर्वानुमान के अनुसार वर्तमान माह अगस्त 2024 में भारी वर्षा आंधी, तूफान एवं आकाशीय विद्युत की सम्भावना व्यक्त की गयी है। इस क्रम में जिलाधिकारीध्अध्यक्ष जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त नागरिकों को सुरक्षित रहने एवं बचाव हेतु दिशा निर्देश (एडवाइजरी) जारी की गयी है।

उन्होने बताया है कि जनपद में मौसम की स्थिति के बारे में रेडियो, टी०वी०, दैनिक समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से निरन्तर जानकारी लेते रहे, यदि आवश्यक ना हो तो खराब मौसम की स्थिति में घर से बाहर ना निकले। यदि आप बाहर है तो विद्युत के तारों के नीचे विद्युत के खम्भों एवं ट्रान्सफर्मर के समीप ना खडे हो। अपने पशुओं को खराब मौसम अथवा वर्षों की स्थिति में खुले में ना छोडे और ना ही उनको पेड़ के नीचे बांध कर रखें, पशुओं को खराब मौसम अथवा वर्षा की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर ही रखें। खराब मौसम अथवा वर्षों की स्थिति में कृषक खेतों में सुरक्षित तरीकों से ही कृषि कार्य करें, विशेषकर फसलों की जुताई–बुवाईध्कटाई का कार्य खराब मौसम में ना करें। आकाशीय विद्युत से बचाव के लिए खेती के दौरान कृषक अपने साथ लकड़ी का छोटा पिढ़ा अथवा प्लास्टिक की बोरी साथ में अवश्य रखे और आकाशीय बिजली गिरने की स्थिति में उस पर ही अपना जितना सम्भव हो सकें छोटा आकार बनाकर बैठ जाए। नदी, तालाब, पोखरा व गहरे गढ़ढे में जाने से बचें, बच्चों पर विशेष निगरानी रखें तथा उन्हें नदी, तालाब, नहर गड्ढे आदि के किनारे कतई न जाने दें। पीने के पानी को उबालकर पीयें, नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से ब्लीचिंग पावडर व क्लोरीन टेबलेट प्राप्त कर लें। इससे सम्बन्धित किसी भी चिकित्सीय आपात काल में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के कन्ट्रोल रूम नम्बर 05342–222041 एवं उक्त के अतिरिक्त 9044406400, 9044490800, 7991620103 एवं 7991320204 इन नम्बरों पर भी सम्पर्क करें। समस्त राजकीय चिकित्सालय, पी.एच.सी. एवं सी. एच.सी अस्पतालों हाई अलर्ट पर रहे। ट्रामा मैनेजमेन्ट, सर्पदंश, बिजली के झटके एवं जल–जनित रोगों के उपचार की व्यवस्था अपने चिकित्सालयों पर सुनिश्चित कर ले। आकस्मिक सेवाओं में तैनात अधिकारीध्कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित रहें। औषधियों आदि की व्यवस्था, रोगी वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली जाय। आकाशीय विद्युत की स्थिति में कभी भी छायादार बड़े पेड़ के नीचे शरण ना लें। आकाशीय विद्युत की स्थिति में वाहन से यात्रा करने से बचे, अगर यात्रा कर रहें हो तो अतिशीघ्र सुरक्षित स्थान अथवा पक्के मकान में शरण लें। आकाशीय विद्युत से होने वाली घटनाओं से बचाव एवं पूर्व चेतावनी हेतु दामिनी ऐप का प्रयोग करें तथा इस एप के प्रयोग के लिए जन मानस को भी प्रेरित करें। उक्त के अतिरिक्त अन्य प्राकृतिक आपदाओं से राहत एवं बचाव तथा अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न आपदाओं के दौरान क्या करें क्या ना करें के बारे में अधिक जानकारीध्एडवाइजरी हेतु सचेत ऐप का सतत् प्रयोग करें एवं जन–मानस को भी इस एप के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। बच्चों को अकेले नदीध्घाटों के समीप न जाने दे। वर्षा के दौरान वज्रपात का खतरा रहता है, यदि खुले स्थान पर हो तो पक्के मकान की शरण ले, नदी, तालाब, घाटों से दूर रहे।

आरक्षी नागरिक पुलिस के लिखित परीक्षा केन्द्रों पर 01 सितम्बर तक निषेधाज्ञा लागू–अपर जिला मजिस्ट्रेट

प्रतापगढ़। अपर जिला मजिस्ट्रेट त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा दिनांक 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त 2024 को दो पालियों (प्रथम पाली पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 3 बजे से सायं 5 बजे तक) सम्पन्न होगी। परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण, नकलविहीन, शुचिता व निष्पक्षता से सम्पन्न कराये जाने हेतु आरक्षी नागरिक पुलिस के पदो पर लिखित परीक्षा से सम्बन्धित समस्त परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 01 सितम्बर 2024 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा–163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया गया है।

उन्होने बताया है कि जनपद के परीक्षा से सम्बन्धित क्षेत्र में समस्त स्टॉफ, अधिकारी, परीक्षार्थी, मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बल के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति अथवा समूह परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नही करेगा। परीक्षा केन्द्र के आस–पास 200 मीटर की परिधि में फोटो कापियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अवधि में पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्रों के आस–पास 200 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारण यन्त्रों, ब्लूटूथ एवं आईटी गैजेट्स सहित इसी प्रकार की अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्रों पर पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्यामितीय–पेन्सिल बाक्स, प्लास्टिक पाउच, किसी भी प्रकार का कैलकुलेटर, क्रेडिटध डेबिट कार्ड, स्केल, कॉपी, पेन ड्राइव, इरेजर, लॉग टेबुलध इलेक्ट्रानिक पेनध्स्कैनर, इलेक्ट्रानिक गैजेट, मोबाइल फोन, कैमरा, किसी प्रकार की घड़ी, स्मार्ट वाच, ब्लूटुथ डिवाइस, इयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैण्ड, बटुआ, काला चश्मा, हैण्डबैग, टोली, खुला या पैक किया हुआ खाने का सामान, सिगरेट, गुटखा लाना पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। समस्त कक्ष निरीक्षकध्स्टाफ अथवा परीक्षार्थी उपकरणों को लेकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नही करेगें। कोई भी परीक्षार्थी बिना परीक्षा सम्पन्न हुये सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना परीक्षा कक्ष से बाहर नही जायेगा और न ही उत्तर पुस्तिका बाहर ले जायेगा। परीक्षा की समाप्ति तक किसी भी अभ्यर्थी अथवा प्रश्न पत्र को परीक्षा केन्द्र से बाहर नही जाने दिया जायेगा। कोई भी व्यक्ति, परीक्षार्थी परीक्षा सलि की परिधि में किसी भी प्रकार के शस्त्रादि लेकर प्रवेश नही करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह इन परीक्षाओं को सकुशल तथा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराये जाने में न तो किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करेग और न ही ऐसी काई कार्यवाही करेगा जिससे कि परीक्षा को सम्पन्न कराये जाने में बाधा उत्पन्न हो एवं उसकी शुचिता व निष्पक्षता पर किसी प्रकार का कोई कुप्रभाव पड़े। इन आदेशों का अथवा इसके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा–188 के अनतर्गत दण्डनीय होगा।

सीएमपी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में गीत प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, सीएमपी महाविद्यालय में चल रहे संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आज दिनांक 22 अगस्त 2024 को गीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें स्वर्णिका शुक्ला तथा सपना यादव को प्रथम स्थान, अंशिका यादव तथा श्रद्धा शुक्ला को द्वितीय स्थान एवं राखी तिवारी, अविनाश सिंह यादव तथा पारुल त्रिपाठी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। समूह गीत प्रतियोगिता में सेजल और साक्षी के समूह ने तृतीय स्थान, राम अवतार, शिवम तथा नैतिक पांडेय के समूह ने द्वितीय स्थान तथा पारुल त्रिपाठी, श्रद्धा शुक्ला और रिया यादव के समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं का निर्णय एडीसी के प्रो राजेंद्र त्रिपाठी, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की डॉक्टर पूजा जायसवाल और सीएमपी महाविद्यालय की डॉक्टर दीप्ति विष्णु ने किया प्रतियोगिताओं का संचालन डॉक्टर सत्य प्रकाश

श्रीवास्तव ने किया तथा अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग संयोजक प्रो. सुरेंद्र पाल सिंह ने किया। कल दिनांक 23 अगस्त 2024 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

भोपाल । शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी सुनीता शर्मा सिद्धि की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य उमा मिश्रा प्रीति सारस्वत आतिथ्य आशा जाकड़ विशिष्ट अतिथि नीलिमा रंजन स्वागत उद्बोधन आशा सक्सैना काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सरोज दवे द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें।आशा श्रीवास्तव, सुनीता शर्मासिद्धि , सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव,सुषमा पटेल , सुषमा श्रीवास्तव सरोज दबे सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव, चित्रा घोटे,वंदना पाठक सीमा तिवारी, बाला रानी वर्मा ,अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता, विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन. साधना शुक्ला द्वारा किया गया।

डॉ रामजी मिश्र के बड़े भाई अरुण कुमार मिश्र के निधन पर शोक सभा

प्रयागराज । प्रख्यात विद्वान डॉ रामजी मिश्र के बड़े भाई अरुण कुमार मिश्र उम्र 80 साल के निधन पर शहर समता विचार मंच की एक शोकसभा उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। शोकसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान उनके शोक संकट परिवार को शांति प्रदान करें।शोक सभा में डॉ स्नेह सुधा , मिली श्रीवास्तव, मंजू प्रकाश, डॉ वीरेंद्र तिवारी, अशोक कुमार श्रीवास्तव, आदि ने भी अपनीशोक संवेदना व्यक्त की।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज वरिष्ठ श्रेणी कक्ष संख्या 17
इलाहाबाद

मूल वाद संख्या 2252 **सन 2018**

1. विजय शंकर दूबे, 2. दया शंकर दूबे , 3. कृपा शंकर दूबे पुत्रगण राम सहाय **4. श्रीमती कृष्णा देवी** पत्नी राम सहाय समस्त निवासीगण ग्राम व पोस्ट गारापुर तहसील रानीगंज जनपद प्रतापगढ़

...वादीगण

बनाम

सतीश दूबे पुत्र राम आधार दूबे निवासी कुभौना परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज

... प्रतिवादी

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2024 के 10 के 03 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

ता.पेशी 03/10/2024

न्यायाधीश

आवश्यक सूचना

प्रार्थी ने आराजी नं0 155 नसीरापुर, परगना झूंसी, तहसील फूलपुर, जिला प्रयागराज का जुज भाग 160.00 वर्गगज यानी 134.40 वर्गमीटर को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 22-10-2021 को खरीद किया जिसका इन्द्राज उपनिबन्धक फूलपुर, प्रयागराज के कार्यालय में बही नं0 1 जिल्द 8800 पृष्ठ 153 से 174 क्रमांक 10100 पर दर्ज है। **उक्त विक्रय विलेख कहीं खो गया है**, यदि किसी व्यक्ति को मिले तो 15 दिन के अन्दर निम्न मोबाइल नं0 **9431119909 पर सूचित करे।**

विकास रंजन, पुत्र राम किशुन
नि0 ग्राम प्यारेपुर पो0 मुगरसन जैदपुर, प्रयागराज

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **अपने पुत्र राम अवतार उर्फ अर्जुन कुशवाहा 'फाईटर', शिवराम कुशवाहा और उसकी पत्नी नेहा सोनकर** को अपनी **समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है** । वे लोग अक्सर मुझे लड़ाई झगड़ा मार-पीट किया करते हैं और नशा करने के आदी हैं । उनके मेरे परिवार के अन्य लोगो से भी कोई अच्छे संबंध नहीं हैं । अतः अब उनका मुझसे व मेरे परिवार के अन्य लोगों से कोई लेना-देना नहीं है ।

जगलाल कुशवाहा ,पुत्र स्व. बाबूलाल कुशवाहा
निवासी 282, मुट्ठीगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

अभिव्यक्ति की अभिरूचि (ई.ओ.आई.)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय अस्पताल उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज पैथोलॉजी विशेष जाँच कम्प्यूटराइज्ड रिपोर्ट के साथ की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रयागराज शहर के विभिन्न नैदानिक केन्द्रों और अस्पतालों से **"अभिव्यक्ति की अभिरूचि ई.ओ.आई. (EXPRESSION OF INTEREST E.O.I.)"** जो की ISO:15189 का अनुपालन उन्हें आमंत्रित कर रही है।

आवेदन पत्र निर्धारित प्रोफार्मा के साथ स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन के दिन से **12.09.2024** तक उत्तर मध्य रेलवे वेबसाइट (**www.ncr.indianrailways.gov.in**) से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन पत्र निर्धारित प्रोफार्मा के साथ पैथ लैब केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में उपरोक्त अवधि तक उपलब्ध रहेगा। सभी तैयार निदान केंद्र और अस्पताल अपनी "अभिव्यक्ति की अभिरूचि ई.ओ.आई." बंद आवेदन पत्र व निर्धारित प्रोफार्मा के साथ स्थानीय समाचार पत्र में विज्ञापन से **15:00 बजे** तक **दिनांक 12.09.2024** तक पैथ लैब केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। काम की अनुमानित क्वांटम करीब 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष है। (पिछले साल के रिकॉर्ड के आधार पर)

चिकित्सा निदेशक
केन्द्रीय चिकित्सालय
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1474/24(A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

फिर यू टर्न

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वछंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी, जब सीधी भर्तियों के लिये विज्ञापन दिए गए थे। ये नियुक्तियां अनुबंध पर तीन से पांच साल के लिये की गई। लेकिन नियुक्तियों की संख्या कम होने के कारण विवाद नहीं उठा था। इन पदों के लिये राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र में इस पद से जुड़ा अनुभव रखने वाले लोग आवेदन कर सकते हैं। तर्क दिया गया कि ये नियुक्तियां डेप्यूटेशन जैसी हैं, जिसमें आरक्षण अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इस मुद्दे के विरोध के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, राजग सरकार ने भी आरक्षण विरोधी छवि बनने की आशंका के बीच इस फैसले से हाथ खींचा है। बहरहाल, प्रशासनिक व्यवस्था में विषय विशेषज्ञों का जुड़ना अच्छी बात है लेकिन इस प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता की जरूरत है।

राहुल के दबाव में मोदी सरकार

एजेंसी

हाल ही में 17 अगस्त को अखबारों में संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के भीतर विभिन्न वरिष्ठ पदों पर लैटरल एंट्री के जरिए प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों की तलाश के लिए एक विज्ञापन जारी किया था।

जाति सरकार पूछेगी : अपमानित करने वाले तो सदियों से पूछ रहे हैं!क्या सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए? लैटरल एंट्री यानी केंद्र सरकार में वरिष्ठ पदों पर अधिकारियों की सीधी नियुक्ति के फैसले पर विवाद उठने के बाद अब केंद्र की एनडीए सरकार ने इस फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है। हाल ही में 17 अगस्त को अखबारों में संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के भीतर विभिन्न वरिष्ठ पदों पर लैटरल एंट्री के जरिए प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों की तलाश के लिए एक विज्ञापन जारी किया था। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पद रिक्त हैं। विज्ञापन इन्हीं 45 पदों के लिए था। इससे पहले 2018 में भी तत्कालीन मोदी सरकार ने 57 पदों पर इसी तरह नियुक्तियां की थीं। लेकिन तब भाजपा बहुमत में थी और मनमाने फैसले लेकर उन्हें लागू भी कर देती थी। लेकिन इस बार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद नरेन्द्र मोदी को एनडीए के सहयोगियों के कारण हासिल हुआ है, इस वजह से वे मनमाने फैसले नहीं ले पा रहे हैं। नतीजा ये है कि सत्ता के ढाई महीनों में ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीन फैसलों से पीछे हटना पड़ा है। पहले वक्फ बोर्ड संशोधन का विधेयक संसदीय समिति को भेजा गया, फिर ब्रॉडकास्ट विधेयक को टालना पड़ा और अब लैटरल एंट्री के फैसले को भी रद्द किया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रमुख को पत्र लिखकर सिविल सेवा निकाय से लैटरल एंट्री के लिए अपना विज्ञापन रद्द करने को कहा है। जितेंद्र सिंह के पत्र में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों का हवाला देते हुए, संविधान में निहित समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप लैटरल एंट्री की जरूरत का आह्वान किया गया, और विशेष रूप से आरक्षण के प्रावधान का जिक्र किया गया है। यानी अब सरकार अगर लैटरल एंट्री लाती है तो उसमें आरक्षण का पालन किया जाएगा। इस पत्र में जितेंद्र सिंह ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के हवाले से संविधान की भावना और आरक्षण की व्यवस्था का जिक्र किया है, वह साफ तौर पर दिखा रहा है कि केंद्र सरकार पर राहुल गांधी का दबाव असर कर रहा है। दरअसल 17 तारीख के विज्ञापन के फौरन बाद ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि यूपीएससी को दरकिनार करने और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को आरक्षण से वंचित करने के लिए लैटरल एंट्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में यह भी कहा था कि भाजपा का राम राज्य का विकृत संस्करण संविधान को नष्ट करना और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इसे आरक्षण को खत्म करने वाला फैसला बताया था। अखिलेश यादव ने तो बाकायदा चेतावनी दे दी थी कि अगर इस फैसले को सरकार ने वापस नहीं लिया तो वे 2 अक्टूबर से आंदोलन करेंगे। लालू प्रसाद यादव ने इस फैसले पर कड़ा विरोध दर्ज किया था। यहां तक कि भाजपा का परोक्ष साथ देने वाली बसपा प्रमुख मायावती ने भी इस फैसले पर बाकायदा ट्वीट कर अपना विरोध प्रकट किया था। शनिवार से लेकर सोमवार तक केंद्र सरकार के इस फैसले पर जब विपक्षी असहमति दर्ज करते हुए इसे संविधान पर प्रहार और पिछले दरवाजे से आरक्षण को खत्म करने की चाल बता रहे थे, तब केंद्र सरकार में एक अन्य केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका जवाब दिया था कि लैटरल एंट्री की व्यवस्था मनमोहन सिंह सरकार के वक्त की है। 2005 में, यूपीए ने वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) की स्थापना की थी। अश्विनी वैष्णव ने यहां सीधी जिम्मेदारी पूर्व की कांग्रेस सरकार पर डाल दी और इसके अलावा भाजपा का भी यह आरोप था कि डा.मनमोहन सिंह, रघुराम राजन, सैम पित्रोदा और मोंटेक सिंह अहलूवालिया जैसे लोगों को कांग्रेस ने लैटरल एंट्री के जरिए ही रखा था। लेकिन अश्विनी वैष्णव और भाजपा ने यह नहीं बताया कि कांग्रेस के शासन में केंद्र सरकार में इस तरह थोक में नियुक्तियां नहीं की गईं, केवल चुनिंदा क्षेत्रों में विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के लिए इसका प्रावधान किया गया। जाहिर है मोदी सरकार कांग्रेस पर उंगली उठाकर भी अपना बचाव नहीं कर सकी और इधर एनडीए के सहयोगी दल जदयू के नेता के सी त्यागी ने सरकार के फैसले के विरोध में कहा कि जब लोग सदियों से सामाजिक रूप से वंचित रहे हैं, तो आप योग्यता की तलाश क्यों कर रहे हैं? श्री त्यागी ने कहा कि ऐसा करके सरकार विपक्ष को एक मुद्दा तश्तरी में परोस रही है। एनडीए का विरोध करने वाले लोग इस विज्ञापन का दुरुपयोग करेंगे। राहुल गांधी सामाजिक रूप से वंचितों के चौंपियन बनेंगे। हमें विपक्ष के हाथों में हथियार नहीं देना चाहिए।' वहीं एलजेपी (रामविलास) अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी कहा कि– शकिसी भी सरकारी नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। इसमें कोई किंतु–परंतु नहीं है। निजी क्षेत्र में कोई आरक्षण मौजूद नहीं है और अगर इसे सरकारी पदों पर भी लागू नहीं किया गया तो गलत होगा। जब एनडीए के सहयोगियों ने भी इस मुद्दे पर भाजपा का साथ नहीं दिया तो मोदी सरकार को यह फैसला वापस लेना पड़ा। इसके बाद नरेन्द्र मोदी को गठबंधन धर्म के पालन की नसीहत मिल रही है कि अब उन्हें मनमाने फैसले लेने की जगह सहयोगियों से विचार करके आगे बढ़ना चाहिए। दरअसल यहां मुख्य सवाल यह नहीं है कि श्री मोदी अपनी मनमानी कब छोड़ेंगे या किस तरह सत्ता का समीकरण साधेंगे। अहम प्रश्न यह है कि संविधान में दिए गए समानता के हक को कितने तरह से चोट पहुंचाने की कोशिशें और होंगी। दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अधिकारों पर कब तक सुशासन और विकास के नाम पर कैंची चलती रहेगी। फिलहाल यह निश्चिंतता है कि जब तक राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं वे सरकार पर नजर बनाए रखेंगे, लेकिन लोकतंत्र में जनता के अधिकारों की रक्षा तभी होगी जब जनता लगातार जागरुकता दिखाए।

सशक्त विपक्ष का स्वाद चख रही है मोदी सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के विज्ञापन को रद्द करने का आदेश देना बतलाता है कि उन्हें मजबूत विपक्ष का कसैला स्वाद चखने को मिल रहा है। इस निर्णय का अर्थ है कि मोदी पर कई तरफ से लगाम लगने लगी है। एक ओर तो विरोधी दल और दूसरी ओर स्वयं सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों ने इस फैसले का विरोध किया है जिससे साफ है कि मोदी अब वैसी मनमानी नहीं कर सकेंगे जिस प्रकार से वे 2014 से लेकर 2024 तक के अपने दो कार्यकालों में करते आए हैं। यह लोकतंत्र के लिये एक अच्छा संकेत है। सरकार को विरोधी दलों के साथ सहयोगी घटकों से राय–मशविरा करने की आदत डालनी होगी। वैसे लोकतांत्रिक सरकारें चलाने का यही तरीका है जिसे दो ताकतवर सरकारों के रूप में मोदी भूल गये थे। पिछली दो लोकसभा के लिये हुए चुनावों में भाजपा को जिस प्रकार से जनसमर्थन मिला था, उसने मोदी एवं उनके सिपहसालार अमित शाह को इतना निरकुंश बना दिया था कि ज्यादातर फैसले वे बगैर किसी की राय लिये करने लगे थे। नोटबन्दी हो या जीएसटी, तीन तलाक की समाप्ति हो या जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 का विलोपन, काले कृषि कानून हों या हिट एंड रन कानून– मोदी सरकार ने इन सभी कानूनों को बनाने या लागू करने में न तो अपने साथियों की राय ली और न ही विशेषज्ञों के विचार जानेय और न ही जनता की पसंद समझनी चाही। ये सभी कानून अचानक और बिना पूर्व जानकारी के लाये और लागू किये जाते रहे। अलबत्ता कृषि और हिट एंड रन सम्बन्धी कानूनों को सरकार को जनविरोध के चलते वापस लेना पड़ा। इसके बावजूद सच्चाई यह है कि पिछली दो मोदी सरकारों को जो मन में आता गया वह सब कुछ वह करती गई। कभी सीधा–सादा शासकीय आदेश जारी कर या कभी अध्यादेश निकालकर अथवा कानून बनाकर। यदि संसद में कानून बनाने में दिक्कत हो तो किसी न किसी बहाने से लोकसभा में हंगामा करवा दिया जाता था और कठपुतली बने लोकसभा व राज्यसभा के क्रमशः अध्यक्ष व सभापति कुछ या थोक में विरोधी नेताओं को निलम्बित कर कानून पास कराते रहे। नयी न्याय संहिता इसी तरह से पारित कराई गई थी। 370 और 400 पार के नारे लगाती आई भाजपा को उम्मीद थी कि बड़ा बहुमत मिल गया तो उसे तथा एनडीए को मनमाने कानून बनाने की छूट मिल जायेगी। प्रमुख लक्ष्य था संविधान को बदलना। उसके कई नेता और कई प्रत्याशी बाकायदे कहते रहे कि मोदी को 400 सीटें इसलिये चाहिये क्योंकि संविधान को बदलना है। इनमें अनंत हेगड़े, मेरठ से सांसद बने अरूण गोविल, अयोध्या से लड़े लल्लू सिंह, राजस्थान की ज्योति मिर्धा आदि शामिल थे। हालांकि चुनाव का अंतिम दौर आते–आते सर्वेक्षणों में सामने आने लगा था कि ऐसा नहीं होने जा रहा है, तो मोदी–शाह समेत सारे भाजपायी नेता और प्रचारक कहने लगे कि ऐसा नहीं है और यह विपक्ष का भाजपा को बदनाम करने का तरीका है। वैसे जनता इस बात को जानती है कि भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरक्षण के खिलाफ हैं और संविधान बदलने का पहला कदम इसकी समाप्ति से ही होता। चूंकि भाजपा को 240 ही सीटें मिलीं और वह तेलुगु देसम पार्टी तथा जनता दल यूनाइटेड के बल पर खड़ी है, तो वह ऊंची आवाज में संविधान के पक्ष में नारे लगा रही है और मोदी यह कहकर खुद को आरक्षण का बड़ा संरक्षक साबित करने की कोशिश करते रहते हैं कि श्जब तक वे जीवित हैं, दलितों, ओबीसी एवं आदिवासियों का आरक्षण कोई नहीं छीन सकता। आरक्षण की हिफाजत और लोकतंत्र की दुहाई देने के साथ अब मोदी जी धर्मनिरपेक्षता पर काफी जोर देने लगे हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने जो भाषण दिया उसमें उन्होंने साफ किया कि श्देश का सिविल कोड कम्यूनल यानी साम्प्रदायिक है और वे ऐसा सिविल कोड लाएंगे जो सेक्यूलर होगा। अब देखना होगा कि वे किस प्रकार का बदलाव नागरिक संहिता में लाएंगे, पर यह साफ है कि जिस सेक्यूलर शब्द से भाजपा–संघ के साथ–साथ उनके असंख्य समर्थकों को इतनी चिढ़ थी, अब उसी के प्रति उन्हें अपना अनुराग एवं आस्था दिखलानी पड़ रही है। सरकार के इस तरह से बदले–बदले से नजर आने का राज भी उसकी कमजोरी और विपक्ष की मजबूती का प्रतिबिम्ब है। हाल में सरकार को अपने कई कदम पीछे लेने पड़े हैं। जिस प्रसारण बिल के जरिये सरकार स्वतंत्र पत्रकारों, यूट्यूबरों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर कड़े नियंत्रण रखने वाला कानून लाने की तैयारी में थी, वह उसे वापस लेना पड़ा। दरअसल, यह मीडिया का वह फॉर्मेट है जिससे सरकार घबराई हुई है क्योंकि इसका असर बढ़ता जा रहा है। सरकार को यह लगा कि यदि इसे नाराज किया तो उसे दिक्कतें हो सकती हैं। वैसे भी सरकार समर्थक मीडिया का प्रभाव लगातार घट रहा है। वैसे तो सरकार ने इस पर पिछले साल लोगों से सुझाव मांगे थे पर इसके पहले कि इस पर कानून का प्रारूप लाये, उसे कुछ चुनिंदा लोगों को लीक कर दिया गया। इसमें अनेक ऐसे प्रावधान हैं जिनके जरिये सरकार डिजिटल प्लेटफार्मों पर दिखाये जाने वाले या प्रसारित होने वाले कंटेंट को पब्लिक डोमेन में रखने के पहले पब्लिशिंग कम्प्लायंस सर्टिफिकेट देगी। यह सेंसरशिप ही है। 90 से ज्यादा डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स ने इस पर आपत्ति जताई जिसके चलते सरकार ने चुनिंदा प्रतिनिधियों के साथ बैठक तो की, लेकिन उनकी नाराजगी को भांप लिया था। विपक्षी नेताओं ने भी इसकी आलोचना की थी। उनका भी मानना है कि बिल में कंटेंट को रेगुलेट, कंट्रोल, मॉनिटरिंग और सेंसर करने के प्रावधान है जिससे अभिव्यक्ति की आजादी को खतरा है। हालांकि सरकार का कहना था कि इससे हेट स्पीच, फेक न्यूज और अफवाहें फैलनी रूकेंगी। बहरहाल जनदबाव में यह बिल वापस लेना पड़ा। सरकार इसे सुधारकर पेश करने की बात कहती है, पर अब यह इतना आसान नहीं होगा। वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम को वापस लेना भी एक तरह से सरकार की हार माना जा रहा है। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिनों में सरकार इसे ले तो आई लेकिन संसद को दोनों सदनों में उसका तीव्र विरोध हुआ। विपक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा इसके जरिये अपने साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा ही बढ़ा रही है। दोनों सदनों में हुए प्रखर विरोध के चलते सरकार को इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सौंपना पड़ा। पिछली लोकसभा को याद करें तो इलेक्टोरल बॉण्ड्स पर विपक्ष ने जेपीसी की मांग की थी परन्तु बहुमत के बल पर उस मांग को दबा दिया गया था। तीसरी बार सरकार को ऐसे मुंह की खानी पड़ी है कि संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के विज्ञापन को रद्द करने का आदेश खुद मोदी को देना पड़ा है। सरकार केन्द्रीय सचिवालय में कुछ पदों पर सीधी भर्ती करने जा रही थी जिसके लिये विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें आरक्षण नहीं था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह संघ के लोगों को सीधे ऊंचे पदों पर भरने की चाल है। अखिलेश यादव के साथ भाजपा की छिपी हुई मित्र कहलाने वाली बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इसका विरोध किया। केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तक इसे गलत बताया। यानी मोदी को चुनौती अब बाहरी ही नहीं, भीतर से भी मिलने लगी है।

इंडिया ब्लॉक पार्टियों को एक स्थिर सरकार देने के लिए हाथ मिलाना चाहिए

कल्याणी शंकर

जम्मू और कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे, जिसमें 90 विधायकों का चुनाव होगा। अगस्त 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 के निरस्त होने और राज्य के विभाजन के बाद यह पहला चुनाव होगा। नये चुनाव कराने में देरी कई सालों से विवाद का विषय रही है। हालांकि, समय–सीमा तय करने में हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश महत्वपूर्ण था। अब जब चुनावों की घोषणा हो गई है, तो सभी राजनीतिक दलों ने इसका स्वागत किया है। कश्मीर लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। दोनों देश कश्मीर पर दावा करते हैं, हालांकि वे इसके केवल एक हिस्से पर शासन करते हैं। पाकिस्तान ने इस मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण भी कर दिया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र में भी लाया गया है। 2019 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य को विभाजित करने के फैसले के बाद मिली–जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इस फैसले के कारण कश्मीर ने अपना झंडा, आपराधिक संहिता और संवैधानिक सुरक्षा खो दी। कश्मीरियों के लिए सरकारी नौकरी के अवसर कम हो गये और अब वे गैर–निवासियों के लिए खुले हैं। चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री की पहल ने विकास को बढ़ावा दिया है और जम्मू–कश्मीर में निवेश करने में खाड़ी देशों की बढ़ती दिलचस्पी एक आशाजनक भविष्य का संकेत देती है, जिससे निवासियों में उम्मीद जगी है। गृह मंत्रालय ने बताया कि 2019 में सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या 80 से घटकर 2023 में 33 हो गई है और 2019 में 44 से घटकर 2023 में 12 नागरिकों मौतें हुई हैं। पिछले राज्य चुनाव 2014 में हुए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में उच्च मतदान ने विधानसभा चुनावों को कराने के उत्साह को जन्म दिया है। कश्मीर में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक 58.46प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के आम चुनाव से 30 अंकों की वृद्धि है। सरकार ने 2019 में भारत के संविधान की धारा 370 को हटाने और विभाजन के बाद 2022 में परिसीमन अभ्यास पूरा किया। 2022 के परिसीमन के बाद जम्मू और कश्मीर में विधानसभा सीटें 87 से बढ़कर 114 हो गईं, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की 24 सीटें शामिल हैं। सीटों में यह वृद्धि संभावित रूप से सत्ता के संतुलन को बदल सकती है और आगामी चुनावों में राजनीतिक दलों की रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है। भाजपा ने दावा किया कि धारा 370 को खत्म करने और कश्मीर में उसके बाद लागू की गई नीतियों ने क्षेत्र को बेहतर तरीके से विकसित किया है। जम्मू और कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में, एनसी और पीडीपी ने फिर से उभार देखा। चुनाव ने उन्हें अपनी सदस्यता को पुनर्जीवित करने और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को सामने लाने का मौका दिया। हालांकि कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन में से दो सीटें जीतीं, तथा तीसरी सीट के लिए कड़ी चुनौती पेश हुई। इस क्षेत्र में आतंकवाद के इतिहास और चुनावों में धांधली के आरोपों के बावजूद, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनावों की व्यापक रूप से सराहना की गई। आगामी चुनाव धारा 370 के तहत क्षेत्र के विशेष दर्जे को रद्द करने के बाद जम्मू और कश्मीर को भारतीय संघ में पूरी तरह से एकीकृत करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का परीक्षण करेगा। यह चुनाव आयोग के लिए भी बिना किसी हिंसक घटना के चुनाव कराने की परीक्षा है। राजनीतिक दलों ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें प्रचार रणनीति, गठबंधन और उम्मीदवार चयन शामिल हैं। कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनावों की योजना बनाने के लिए बैठकें की। यदि विधानसभा चुनाव निर्धारित समय पर होते हैं, तो घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके अलावा, लोकसभा चुनावों के दौरान जिस ध्रुवीकरण और अलगाववादी कथानक ने जोर पकड़ा था, वह विधानसभा चुनावों के दौरान और तेज हो जायेगा। 2014 के जम्मू–कश्मीर चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। 49 दिनों तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा, जब तक कि पीडीपी की महबूबा मुफ्ती को भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री नहीं बना दिया गया। बाद में भाजपा ने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया, जिसके कारण फिर से राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। नवंबर 2018 में विधानसभा भंग कर दी गई और दिसंबर 2018 में राष्ट्रपति शासन फिर लागू कर दिया गया। तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है। सरकार को यह तय करना होगा कि नरम अलगाववाद से निपटने के लिए कश्मीर घाटी में हस्तक्षेप करना है या चुनाव से पहले पुनर्गठन योजना पर विचार करना है। संसदीय चुनावों के दौरान, कांग्रेस और एनसी ने गठबंधन किया था। एनसी ने कश्मीर में तीन सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने जम्मू और उधमपुर में चुनाव लड़ा। इंडिया गठबंधन का हिस्सा पीडीपी को समायोजित नहीं किया गया और उसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस और एनसी एक साथ जा सकते हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी के साथ गठबंधन करना मुश्किल होगा क्योंकि संसदीय चुनाव में दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए थे। अगर क्षेत्रीय दलों को सुधार करना है तो उन्हें एकजुट होना होगा और इंडिया ब्लॉक को सहयोग करना होगा। कश्मीर चुनाव महत्वपूर्ण हैं और पूरा देश एक दशक के बाद एक लोकप्रिय सरकार का उदय देखेगा।

भारती सिंह ने कहा, उन्होंने रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को लूटा

> विशेष एपिसोड में, भारती कृष्णा अभिषेक को राखी बांधती और अपने अनोखे बंधन के बारे में विचार साझा करती हुई नजर आएंगी। शो में कृष्णा ने भारती को मनोरंजन जगत में अपनी एकमात्र बहन बताया। भारती ने कहा कि, कृष्णा और मैं एक अनोखा बंधन साझा करते हैं। हम मंच पर और मंच से बाहर दोनों जगह लोगों को हंसाते हैं।

ऐसा लगता है कि स्टार स्टैंडअप कॉमेडियन भारती सिंह अब और अमीर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के मौके पर उन्होंने अपने भाइयों को जमकर लूटा है। भारती लाफ्टर शेफ अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के सेट पर मौजूद पत्रकारों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कमाया। पंजाब से अपने भाइयों और यहां के कुछ भाइयों को कई तरह से लूटा। मुझे लगता है कि हमें भाइयों से उपहार की मांग नहीं करनी चाहिए क्योंकि उन्हें नहीं पता कि क्या लेना है। अगर वे नकद दें तो बेहतर है। इसके बाद वह फोटोग्राफरों से मजाक करती नजर आईं, जिन्होंने कहा कि वे भी उनके भाई हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि उन सभी को उन्हें 500 रुपए देने होंगे। विशेष एपिसोड में, भारती कृष्णा अभिषेक को राखी बांधती और अपने अनोखे बंधन के बारे में विचार साझा करती हुई नजर आएंगी। शो में कृष्णा ने भारती को मनोरंजन जगत में अपनी एकमात्र बहन बताया। भारती ने कहा कि, कृष्णा और मैं एक अनोखा बंधन साझा करते हैं। हम मंच पर और मंच से बाहर दोनों जगह लोगों को हंसाते हैं। भाई–बहनों की तरह हम एक–दूसरे को बेरहमी से चिढ़ाते हैं, लेकिन जब जरूरत होती है तो हम हमेशा मौजूद रहते हैं। हमारा रिश्ता शब्दों से परे है। हम एक–दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जबकि हम चीजों को हल्के–फुल्के अंदाज में रखते हैं। हालांकि इंडस्ट्री में मेरे कई दोस्त हैं, लेकिन कृष्णा और मेरे बीच जो रिश्ता है, वह वाकई खास है। शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा जज किए गए इस शो में एली गोनी, अर्जुन बिजलानी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, जन्नत जुबैर रहमानी, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, सुदेश लहरी, कश्मीरा शाह और निया शर्मा शामिल हैं। भारती ने दिसंबर 2017 में शो होस्ट हर्ष लिंबाचिया से शादी की थी। दोनों यूट्यूब चौनल भारती टीवी पर 'एलओएल पॉडकास्ट' होस्ट करते हैं। उनका एक बेटा भी है जिसका नाम गोला है, जिसका जन्म 2022 में हुआ था। भारत की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक भारती, स्टैंडअप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज में द्वितीय रनर–अप रहीं। इसके बाद वह कॉमेडी सर्कस में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं। यह पहली बार नहीं है जब भारती और कृष्णा एक साथ स्टेज शेयर कर रहे हैं। इससे पहले दोनों कॉमेडी नाइट्स बचाओ को भी होस्ट कर चुके हैं। भारती ने कई रियलिटी शो की मेजबानी की है, जैसे–इंडियाज गॉट टैलेंट 5, इंडियाज गॉट टैलेंट 7, इंडियाज गॉट टैलेंट 8, इंडियाज बेस्ट डांसर, डांस दीवाने 3 और डांस दीवाने 4। लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट कलर्स पर प्रसारित होता है।

ब्रिटेन में परिणीति चोपड़ा का देसी अंदाज आपको मदहोश कर देगा

फिल्म अमर सिंह चमकीला से प्रशंसा बटोरने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों यूके में समय बिता रही हैं और भारतीय उपमहाद्वीप के शेफ के देसी जायकों का आनंद ले रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में जाकर अपने फूड की कई तस्वीरें शेयर की। अभिनेत्री को एक बढ़िया रेस्टोरेंट में बैठे देखा जा सकता है। वह पनीर, लच्छा पराठा, गुलाब जामुन और एक स्पेशल पराठा जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठा रही हैं। यूके लंबे समय से अपने म्यूटेड फ्लेवर्स के लिए जाना जाता है। मगर पिछले कुछ दशकों में वहां के भोजन में काफी बदलाव हुए हैं, जिसका कारण मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप से आने वाले प्रवासियों की बढ़ती आमद है। चिकन टिक्का मसाला यूके की नेशनल डिश है, जिसे भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शेफ बनाते हैं। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाली परिणीति खाने की बहुत शौकीन हैं और उन्हें अपना खाना स्वादिष्ट और मसालों से भरपूर पसंद है। अभिनेत्री ने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में पढ़ाई के दौरान यूके में अपना काफी समय बिताया था। उन्हें विश्वविद्यालय से बिजनेस, फाइनेंस और अर्थशास्त्र में ट्रिपल ऑनर्स की डिग्री से सम्मानित किया गया था। अपने शैक्षणिक वर्षों के दौरान यूके में रहते हुए परिणीति अक्सर पिज्जा की शौकीन हुआ करती थीं, लेकिन अभिनय के पेशे में कदम रखने के बाद उन्हें पिज्जा खाना छोड़ना पड़ा। अभिनेत्री ने 2011 में 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' से अपना फिल्म डेब्यू किया था, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राजस्थान में अपनी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' की शूटिंग के दौरान, अभिनेत्री ने 2013 में राजस्थानी खाने के बारे में बात की थी। अभिनेत्री वर्तमान में हिट 'अमर सिंह चमकीला' देने के बाद अपने खाली समय और वैवाहिक जीवन का आनंद ले रही हैं। अमर सिंह चमकीला' में उन्होंने पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी पत्नी की भूमिका निभाई थी।

जानिए कौन है लाफ्टर शेफ्स के सेट पर सिंगर राहुल वैद्य का साथी?

लाफ्टर शेफ्स–अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रहे सिंगर राहुल वैद्य को छोड़ने के लिए उनकी बहन अपने दुधमुंहे बच्चे के साथ सेट तक गईं। इंडियन आइडल 1 के दूसरे रनर अप राहुल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी कार से एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। इंस्टाग्राम पर उनके 55 लाख फॉलोअर्स हैं। तस्वीर में राहुल काली टी–शर्ट पहने हुए हैं। बगल की सीट पर उनकी बहन बैठी है जिनकी गोद में उनका छोटा बेबी है। तस्वीर रक्षाबंधन के बाद की लग रही है। कैप्शन में लिखा है बहन और उसका लिट्ल वन मुझे शूटिंग पर छोड़ने जा रहे हैं। इसके बाद लाल दिल वाली इमोजी है। निजी जीवन की बात करें तो राहुल ने अभिनेत्री दिशा परमार से शादी की है। इस जोड़े ने 16 जुलाई 2021 को शादी की थी। उनकी बेटी नव्या का जन्म 20 सितंबर 2023 को हुआ था। राहुल ने अपने करियर की शुरुआत सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 1 से की थी। वह जो जीता वही सुपर स्टारश, म्यूजिक का महा मुकाबला जैसे शो के विजेता रह चुके हैं। राहुल बिग बॉस 14 और शफियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 11 में भी हिस्सा ले चुके हैं। राहुल एक रुपैया, बे इंतेहान (अनप्लग्ड), इट्स ऑल अबाउट टुनाइट, मेरी जिंदगी जैसे कई गाने गा चुके हैं। दूसरी ओर, दिशा ने 2012 में प्यार का दर्द है मीठा–मीठा प्यारा–प्यारा से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने पंखुड़ी गुप्ता की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह श्वो अपना सा, बड़े अच्छे लगते हैं 2 और बड़े अच्छे लगते हैं 3 जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। दिशा सिटकॉम वेब सीरीज आई डोंट वॉच टीवी में भी नजर आ चुकी हैं। यह शो नकुल मेहता, आलेख संगल और अजय सिंह द्वारा निर्मित है और टीवी अभिनेताओं के वास्तविक जीवन पर आधारित है। इसमें नकुल, आलेख संगल, राम मेनन, जानकी पारेख, दृष्टि धामी, दिलनाज ईरानी, ऋत्विक धनजानी, करण वाही, कृतिका कामरा, सनाया ईरानी और सना शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। उन्होंने याद तेरी, माधान्या, मत्थे ते चमकन और प्रेम कहानी जैसे गाने के वीडियो में भी काम किया है।

नई सीरीज मुर्शिद का ट्रेलर जारी, एक्शन, ड्रामा और क्राइम की अनोखी कहानी

केके मेनन अभिनीत गैंगस्टर गाथा श्मुर्शिदश के निर्माताओं ने मंगलवार को आगामी सीरीज का ट्रेलर जारी किया, जिसका निर्देशन श्रवण तिवारी ने किया है। एक मिनट 32 सेकंड के इस वीडियो में केके माफिया डॉन मुर्शिद पठान की भूमिका में हैं। ट्रेलर में अपराध, एक्शन और ड्रामा का शानदार मिश्रण दिखाया गया है। मुंबई की व्यस्त सड़कों से लेकर दुबई की जगमगाती गलियों और इलाहाबाद की ऐतिहासिक गलियों तक, मुर्शिद दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां हर भाई आपका भाई नहीं होता और पारिवारिक रिश्ते साजिश के जाल में बदल सकते हैं। ट्रेलर दर्शकों को मुंबई के आपराधिक अंडरवर्ल्ड की दुनिया में ले जाता है, जहां रिटायर डॉन मुर्शीद पठान अनिच्छा से उस जीवन में वापस आ जाता है जिसके बारे में उसने सोचा था कि वह पीछे छूट गया है। जब उसका पूर्व प्रतिद्वंद्वी फरीद (जाकिर हुसैन) मुर्शिद के बेटे को एक खतरनाक साजिश में फंसाता है तो पूर्व सरगना को विश्वासघाती हालात से निपटने की एक चुनौती रहती है। मुर्शिद अपने परिवार और विरासत की रक्षा के लिए लड़ता है। इस दौरान इंस्पेक्टर कुमार प्रताप राणा (तनुज विरवानी) उसका पीछा करता है, जो उसका दत्तक पुत्र भी है। शो के बारे में बात करते हुए केके ने कहा, ष्इस गैंगस्टर थ्रिलर में मुर्शिद पठान की भूमिका निभाना मेरे लिए वास्तव में रोमांचक था। मैं हमेशा जटिल किरदारों की ओर आकर्षित रहा हूं और मुर्शिद बिल्कुल वैसा ही है। एक पूर्व डॉन जो परोपकारी बन गया, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए अंडरवर्ल्ड में वापस आ गया। उन्होंने कहा, ट्रेलर में उनकी यात्रा की केवल झलक दिखाई गई है। यह एक ऐसी कहानी है जो दर्शाती है कि एक पिता अपने परिवार के लिए किस हद तक जा सकता है। मैं दर्शकों को मुर्शिद की पूरी कहानी का अनुभव कराने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वह अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किस तरह अपने अतीत का सामना करता है। फरीद नामक खलनायक की भूमिका निभाने वाले जाकिर ने कहा, यह चरित्र महत्वाकांक्षा और आक्रामकता का बारूद है, जो लगातार मुंबई के अंडरवर्ल्ड में सत्ता की सीमाओं को आगे बढ़ाता रहता है। फरीद एक ऐसा व्यक्ति है जो मुर्शिद की विरासत को ग्रहण करने के लिए बेताब है, लेकिन अपने स्वयं के अस्थिर स्वभाव के कारण असफल रहता है। जाकिर ने कहा, यह आधुनिक समय के डॉन का एक रोमांचक चित्रण है, जो पुरानी दुनिया के सम्मान और नए जमाने की क्रूरता के बीच संघर्ष कर रहा है। मैं दर्शकों को इस तीव्र सत्ता संघर्ष को देखने और शो में फरीद की यात्रा को देखने के लिए उत्साहित हूं। तनुज ने कहा, मुर्शिद का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर केके मेनन और जाकिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा करना। कुमार प्रताप राणा एक ऐसा किरदार है जो भावनाओं के भंवर में फंसा हुआ है। उन्होंने कहा, अपने माता–पिता को खोने के बाद मुर्शिद पठान द्वारा गोद लिए गए और पाले गए एक पुलिस इंस्पेक्टर के रूप में कुमार की दुनिया तब उलट जाती है, जब उसे अपने दुखद अतीत में मुर्शिद की संलिप्तता पर संदेह होता है। फिर भी इस उथल–पुथल के बावजूद कुमार का अपने दत्तक पिता के प्रति गहरा प्यार किसी भी चीज से अधिक मजबूत साबित होता है। यह परस्पर विरोधी निष्ठाओं और पारिवारिक बंधनों की स्थायी शक्ति की कहानी है। संदीप पटेल द्वारा निर्मित मुर्शिद का प्रीमियर 30 अगस्त को जी5 पर होगा।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी पर गुरुद्वारा कमेटी ने प्रतिबंध लगाने की मांग की, कहा- 'सिख समुदाय का अपमान'

कंगना रनौत अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से ही हलचल मच गई थी। अब रिलीज से कुछ दिन पहले ही फिल्म बड़ी मुसीबत में फंस गई है, क्योंकि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और अकाल तख्त ने दावा किया है कि फिल्म सिख समुदाय के खिलाफ नकारात्मक कहानी गढ़ेगी। कमेटी ने फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की भी मांग की है। बुधवार को एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और खुलासा किया कि उन्होंने कंगना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है और फिल्म पर अपनी आपत्ति जताई है। कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि अतीत में कई फिल्मों ने सिख समुदाय को गलत तरीके से पेश करने के कारण सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए उन्होंने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) पर श्पक्षपातीश होने का आरोप लगाया और बोर्ड में सिख सदस्यों को शामिल करने की वकालत की। इस बीच, अकाल तख्त के जत्थेदार (प्रमुख) ज्ञानी रघबीर सिंह ने आरोप लगाया कि फिल्म में "जानबूझकर सिखों को अलगाववादी के रूप में दिखाया गया है, जिसे वह एक बड़ी साजिश का हिस्सा मानते हैं।" उन्होंने दावा किया कि फिल्म सिख समुदाय का "अपमान" करती है और कंगना पर सिखों के चरित्र को "जानबूझकर हत्या" करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "समुदाय जून 1984 की सिख विरोधी क्रूरता को कभी नहीं भूल सकता है और रनौत की फिल्म जरनैल सिंह खालसा भिंडरावाले के चरित्र की हत्या करने की कोशिश कर रही है, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा कौमी शहीद (समुदाय का शहीद) घोषित किया गया है।" सिंह ने यह भी कहा कि समुदाय के बारे में कंगना के बयानों के बावजूद सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। आपातकाल की घोषणा 2021 में की गई थी। कंगना ने उल्लेख किया कि हालांकि फिल्म एक राजनीतिक ड्रामा है, लेकिन यह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की बायोपिक नहीं है।

नाखून में हुए फंगल इंफेक्शन को ठीक कैसे करें?

बरसात के मौसम में नमी और इम्यूनिटी बढ़ जाती है, जिससे नाखूनों में फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी नाखून की रंगत पीली या सफेद हो गई है और नाखून मोटा और भद्दा लगने लगा है। जैसे–जैसे इंफेक्शन बढ़ता है, नाखून की हालत और भी खराब हो जाती है। इससे नाखून के किनारे उखड़ने और टूटने लगते हैं, और कभी–कभी ये दर्द भी कर सकते हैं। नाखून के फंगस का इलाज करना मुश्किल है। संक्रमण ठीक होने के बाद भी वापस आ सकता है। लेकिन कभी–कभी दवाइयों से नाखून के फंगस से हमेशा के लिए छुटकारा पाया जा सकता है। अगर संक्रमण बहुत गंभीर है, या इससे बहुत दर्द होता है, तो आपके नाखून निकलवाने की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपके नाखून में इस तरह की समस्या दिख रही है, तो परेशान न हों। हम आपको आसान और प्रभावी उपाय बताएंगे जिससे आप नाखूनों में फंगल इंफेक्शन से छुटकारा पा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

फंगल इंफेक्शन के लक्षण

फंगल इंफेक्शन से नाखूनों में निम्नलिखित लक्षण देखे जा सकते हैं।

– नाखून का रंग पीला या भूरे रंग में बदलना
– नाखून की सतह पर मोटी परत का बनना
– नाखून का टूटना या चटकना
– नाखून के चारों ओर सूजन और लालिमा

नाखूनों में फंगल इंफेक्शन से राहत पाने के लिए नारियल तेल एक प्रभावी और प्राकृतिक उपाय हो सकता है। नारियल तेल में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

इसे इस्तेमाल करने के तरीके निम्नलिखित हैं

1.नारियल तेल की लगावटः एक स्वच्छ कपड़े या रुई के पैड पर कुछ बूंदें नारियल तेल की डालें।

2. नाखून पर लगाएंः इसे संक्रमित नाखून पर लगाएं और हल्के से मसाज करें।

3. रोजाना दोहराएंः इस प्रक्रिया को दिन में 2 से 3 बार करें और कुछ समय के लिए छोड़ दें ताकि तेल पूरी तरह से अवशोषित हो सके।

चिकित्सीय सलाह और एंटी–फंगल दवाएँ

यदि नारियल तेल से इलाज के बाद भी आपको राहत नहीं मिलती, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप डॉक्टर से परामर्श लें। चिकित्सीय सलाह से एंटी–फंगल दवाओं का उपयोग किया जा सकता है जो अधिक प्रभावी हो सकती हैं। डॉक्टर आपकी स्थिति के अनुसार मौखिक या स्थानीय एंटी–फंगल दवाएँ प्रिस्क्राइब कर सकते हैं।

बचाव के उपाय

फंगल इंफेक्शन से बचाव के लिए निम्नलिखित सावधानियाँ बरतेंः

– साफ–सफाईः नाखूनों को हमेशा साफ और सूखा रखें।
– उचित आर्द्रताः नाखूनों को लंबे समय तक गीला न रखें। नहाने के बाद अच्छे से सुखा लें।
– सही फुटवियरः अच्छी वेंटिलेशन वाले जूते और सॉक्स पहनें ताकि नमी जमा न हो।
– सामान साझा न करेंः अपनी नाखून काटने की सामग्री और अन्य व्यक्तिगत वस्त्र साझा न करें।

इन सरल उपायों और सावधानियों से आप नाखूनों में फंगल इंफेक्शन से बच सकते हैं और अपनी नाखूनों की सेहत बनाए रख सकते हैं।

जन्माष्टमी विशेषः घर में रखे हैं लड्डू गोपाल तो ये नियम भी फॉलो करें

घर में लड्डू गोपाल जी की पूजा करने से एक विशेष आध्यात्मिक वातावरण बनता है और यह परिवार की खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक होता है। लेकिन, उनकी पूजा और उनकी देखभाल से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जिन्हें ध्यान में रखना आवश्यक है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण नियम दिए गए हैं जो लड्डू गोपाल जी की पूजा और उनकी देखभाल में आपकी सहायता करेंगे।

स्थान और स्थापना

लड्डू गोपाल जी की मूर्ति को घर के पूजा स्थल या मंदिर में ही स्थापित करना चाहिए। यह स्थान शांत और स्वच्छ होना चाहिए, जहाँ नियमित रूप से पूजा–अर्चना की जा सके।

मूर्ति की स्थापना

मूर्ति को सुंदर और साफ स्थान पर रखें। ध्यान दें कि मूर्ति की दिशा उत्तर या पूर्व की ओर हो, क्योंकि यह दिशाएँ शुभ मानी जाती हैं।

नियमित पूजा और अर्चना

लड्डू गोपाल जी की नियमित पूजा सुबह और शाम दोनों समय की जाती है। सुबह जल्दी उठकर स्नान करके पूजा करना अच्छा होता है।

आरती और भोग

हर दिन उन्हें भोग चढ़ाएँ और आरती करें। भोग में ताजे फल, दूध, और मिठाई शामिल कर सकते हैं।

साफ–सफाई और देखभाल

मूर्ति को नियमित रूप से साफ करें और पूजा के बाद उसे अच्छे से पोंछें। यह सुनिश्चित करें कि मूर्ति पर कोई धूल या गंदगी न हो।

वस्त्र और आभूषण

लड्डू गोपाल जी को सुंदर वस्त्र पहनाएं और समय–समय पर उन्हें नए वस्त्र और आभूषण बदलें।

भोग और प्रसाद

लड्डू गोपाल जी को हमेशा ताजे और पवित्र भोग चढ़ाएं। जो भी भोग चढ़ाएँ, उसे पहले अच्छे से स्नान कर लें और उसके बाद ही भगवान को अर्पित करें।

प्रसाद को सभी परिवार में बाँटें

भोग अर्पित करने के बाद, प्रसाद को परिवार के सभी सदस्यों में बाँटें। प्रसाद को आदर और श्रद्धा से ग्रहण करें।

स्नेह और श्रद्धा

पूजा और भोग में श्रद्धा और स्नेह का भाव होना चाहिए। केवल रस्मों के लिए पूजा न करें, बल्कि दिल से लड्डू गोपाल जी की पूजा करें।

समय और ध्यान

पूजा के दौरान विशेष समय दें और ध्यान केंद्रित करें। यह ध्यान रखें कि पूजा के समय किसी प्रकार की व्यस्तता या लापरवाही न हो।

विशेष अवसर और त्योहारों की तैयारी

विशेष अवसरों और त्यौहारों पर लड्डू गोपाल जी की विशेष पूजा करें। जैसे कि जन्माष्टमी, दीवाली, आदि पर विशेष भोग और सजावट करें।

उपहार और अर्पण

त्योहारों पर भगवान को विशेष उपहार और वस्त्र अर्पित करें। यह उनके प्रति आपकी भक्ति और प्रेम को दर्शाता है।

परिवार की भागीदारी सभी को शामिल करें

पूजा और भोग के समय परिवार के सभी सदस्यों को शामिल करें। इससे पारिवारिक एकता और समर्पण की भावना बनी रहती है।

इन नियमों का पालन करके आप न केवल लड्डू गोपाल जी की पूजा को सही तरीके से कर सकेंगे, बल्कि उनके प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति को भी दर्शा सकेंगे।

आप भी नहीं लेते 8 घंटे की नींद, तो बढ़ सकता है गंभीर बीमारियों का खतरा

हमारे शरीर और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी होता है। इसलिए कहा जाता है कि कम से कम 7–8 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। क्योंकि खराब नींद कई बड़ी बीमारियों का कारण होती है। वहीं नींद की कमी से शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। जो लोग कम नींद लेते हैं, उनमें अधिक बीमारियों का खतरा होता है। खासतौर पर ऐसे लोगों को हाई बीपी और मानसिक बीमारियों का अधिक खतरा रहता है। जिसका असर शरीर के अन्य अंगों पर देखने को मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि 8 घंटे की पर्याप्त नींद न लेने पर व्यक्ति को क्या–क्या दिक्कतें हो सकती हैं।

थकान और ऊर्जा में कमी

पर्याप्त नींद न लेने पर शरीर में एनर्जी की कमी रहती है। जिसके कारण आप पूरा दिन थका हुआ महसूस करते हैं। इससे आपका काम भी प्रभावित होता है। शरीर में एनर्जी की कमी अंगों के कार्यक्षमता पर असर डालती है। जिसकी वजह से हमारा किसी काम में मन नहीं लगता है।

ब्रेन फंक्शन में समस्या

बता दें कि नींद की कमी आपके ब्रेन फंक्शन पर भी बुरा असर डालती है। इससे आपको ध्यान केंद्रित करने में समस्या होती है। नींद की कमी की वजह से आपके सोचने व समझने की क्षमता कम हो सकती है।

मूड स्विंग

नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग, तनाव और डिप्रेशन जैसी समस्या हो सकती है। वहीं स्ट्रेस हमारी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है, इससे कई अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका असर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर पड़ता है।

हार्ट के लिए नुकसानदेह

नींद की कमी आपके दिल की सेहत को भी नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। नींद की कमी से हाई बीपी का खतरा बढ़ जाता है, जिसका आपके दिल पर बुरा असर पड़ता है।

स्लो होता है मेटाबॉलिज्म

जब नींद नहीं पूरी होती है, तो भूख बढ़ाने वाले हार्मोन की मात्रा बढ़ जाती है और मेटाबॉलिज्म स्लो होता है। वहीं ज्यादा भूख लगने से आप ओवर ईटिंग करते हैं, जिससे वेट बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है।

राजस्थानी के फेमस गट्टे की सब्जी बनाते समय ना करें ये तीन गलतियां

हर राज्य में लोगों का खान–पान काफी अलग होता है और वहां की कुछ सिग्नेचर डिशेज देश–विदेश तक पसंद की जाती है। चाहे गुजरात का ढोकला हो या फिर पंजाब के छोले भटूरे, इनका नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। ठीक इसी तरह, राजस्थान में गट्टे की सब्जी बहुत अधिक फेमस है। बेसन की मदद से बनने वाली इस सब्जी का टेक्सचर और टेस्ट लाजवाब होता है। राजस्थान के हर घर में गट्टे की सब्जी बनाई जाती है। वहीं, राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों में भी लोग गट्टे की सब्जी बनाना व खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, उनकी सब्जी का टेस्ट व टेक्सचर उतना अच्छा नहीं होता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि आप गट्टे की सब्जी बनाते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियों को दोहराने लगते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको गट्टे की सब्जी बनाते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए–

आटे की कंसिस्टेंसी सही ना होना

जब आप गट्टे की सब्जी बनाते समय आटा गूंथते हैं तो उसकी कंसिस्टेंसी सही होना बेहद जरूरी है। अक्सर लोग आटा गूंथते समय बहुत ज्यादा या बहुत कम पानी का इस्तेमाल करने की गलती कर बैठते हैं। अगर आटा बहुत सख्त है, तो पकाने के बाद गट्टे सख्त हो जाएंगे, जिससे उन्हें खाना अच्छा नहीं लगेगा। यदि आटा बहुत नरम है, तो गट्टे उबालते समय बिखर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप गूदेदार बनावट बन सकती है।

उबालते समय गलती करना

गट्टे की सब्जी बनाते समय आपको उसे सही से उबालना आना चाहिए। बहुत अधिक या बहुत कम तापमान पर उसे उबालने की गलती ना करें। यदि गट्टे डालते समय पानी में उबाल नहीं है, तो वे बहुत अधिक पानी सोख सकते हैं और गीले हो सकते हैं। बहुत अधिक तापमान पर उबालने से गट्टे टूट सकते हैं या टूट सकते हैं। कम उबालने से कच्चे स्वाद वाले गट्टे बन जाएंगे जिन्हें चबाना मुश्किल होगा।

गट्टे को गलत तरीके से बेलना

गट्टे को बनाते समय उन्हें बहुत मोटा या बहुत पतला बेलने की गलती नहीं करनी चाहिए। असमान रूप से बेले गए गट्टे असमान रूप से पकेंगे, जिससे कुछ हिस्से अधपके रह जाएंगे जबकि कुछ हिस्से ज्यादा पक जाएंगे। अगर आप गट्टे को मोटा बेलेंगे तो उबलने के बाद भी वे अंदर से कच्चे रह सकते हैं। ठीक इसी तरह, अगर गट्टे बहुत पतले हैं, तो उबालने या तलने के दौरान वे टूट सकते हैं।

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी टीम इंडिया, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का हुआ ऐलान

टीम इंडिया को अगले साल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का तब तक चौथा चरण शुरू हो जाएगा। ये टेस्ट सीरीज उसका ही हिस्सा होगी। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 तब तक खत्म हो चुकी होगी।

भारतीय क्रिकेट टीम को अगले साल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का तब तक चौथा चरण शुरू हो जाएगा। ये टेस्ट सीरीज उसका ही हिस्सा होगी। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 तब तक खत्म हो चुकी होगी। इंग्लैंड एंड बेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड मेंस और विमेंस 2025 समर इंटरनेशनल फिक्सचर जारी किया है। इसमें भारत की पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का भी शेड्यूल दिया गया है।

रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया अगले साल जून से अगस्त के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने इंग्लैंड दौरे पर होगी। इसी समय भारतीय महिला टीम भी इंग्लैंड दौरे पर होगी और इन दोनों के बीच उस दौरान पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। भारतीय मेंस टीम की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से 4 अगस्त के बीच खेली जाएगी, जबकि भारतीय विमेंस टीम की पांच मैचों की टी20 सीरीज 28 जून से 12 जुलाई के बीच खेली जाएगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इसके लिए 16 जुलाई से 22 जुलाई के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज भी खेलेगी। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहला टेस्ट मैच 20 से 24 जून के बीच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच 2 से 6 जुलाई के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट मैच 10 से 14 जुलाई के बीच लंदन के लॉड्र्स में खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैच 23 से 27 जुलाई के बीच मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाना है। सीरीज का आखिरी और पांचवां टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लंदन के द किया ओवल मैदान पर खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच इस टेस्ट सीरीज में की तारीखें आप भी नोट कर लीजिए।

संक्षिप्त

FSSAI ने की रेस्टोरेंट्स पर कार्रवाई करने की तैयारी, मैन्यू से लेकर जुड़ा है मामला

भारत में हजारों रेस्तरां है, जो आमतौर पर एफएसएसएआई द्वारा तय किए गए नियमों के अनुसार ही काम करते है। इन सभी रेस्तरां पर अब प्रतिकुल प्रभाव पड़ने वाला है। खासतौर से उन रेस्तरां पर जहां एफएसएसएआई द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। एफएसएसएआई ने तय किया है कि अब उन रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जिनके 10 या उससे अधिक आउटलेट हैं और जिन्होंने अबतक अपनी डिशेज में पोषण संबंधी जानकारी घोषित नहीं की है। यह जानकारी इकोनॉमिक टाइम्स ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अधिकारियों के हवाले से दी है। एफएसएसएआई ने केन्द्रीय लाइसेंस वाले रेस्तरां जिनके कम से कम दस आउटलेट्स होने चाहिए और ई–कॉमर्स खाद्य व्यापार संचालकों के लिए अपने मेनू पर लेबल लगाना अनिवार्य कर दिया है, जिसमें उपभोक्ताओं को भोजन के कैलोरी मान और पोषण तत्वों के बारे में जानकारी दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि यह विनियमन जुलाई 2022 में लागू हुआ, लेकिन केवल सीमित संख्या में रेस्तरां ही इसकी घोषणा कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एफएसएसएआई सभी गैर–अनुपालन करने वाले रेस्तरां को नोटिस जारी करेगा और उन्हें अनुपालन के लिए समय सीमा देगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस वर्ष के त्योहारी सीजन से इसकी शुरुआत होने की संभावना है। रिपोर्ट में भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) के उपाध्यक्ष सागर दरयानी के हवाले से कहा गया है, ष्कई बड़े और मध्यम आकार के रेस्तरां श्रृंखलाओं के पास पहले से ही मैनुअल बुक हैं, जिनमें उनके मेनू के साथ पोषण संबंधी जानकारी भी दी गई है, क्योंकि मेनू के साथ इस तरह के विवरण को रखना अपठनीय हो जाता है।ष यह एसोसिएशन 500,000 से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करता है और फास्ट फूड श्रृंखला श्वाउ! मोमोश के संस्थापक भी हैं। रिपोर्ट में एक बड़ी फास्ट–फूड चेन के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है, ष्हम अपने मेनू में वसा और चीनी जैसी जानकारी दे सकते हैं, लेकिन उदाहरण के लिए, केवल सलाद बेचने वाली चेन के साथ तुलना करना अनुचित और अवास्तविक होगा।ष ष्हम एक त्वरित–सेवा चेन हैं, और हम कुछ खास तरह के खाद्य पदार्थ पेश करते हैं जिन्हें उपभोक्ता अपनी पसंद से पसंद करते हैं।

टिकटिंग कारोबार सौदे से पेटीएम के शेयर में 5प्रतिशत से अधिक उछाल, ज़ोमैटो में 2प्रतिशत की तेजी

फिनटेक दिग्गज पेटीएम ने घोषणा की कि वह अपना एंटरटेनमेंट और टिकटिंग व्यवसाय नहीं संभालेगा। पेटीएम का ये विभाग वो फूड डिलीवरी ऐप ज़ोमैटो को बेचने जा रहा है। दोनों कंपनियों के बीच ये करार 2048 करोड़ रुपये में हो रहा है यानी 2,048 रुपये में पेटीएम जोमैटो को एंटरटेनमेंट और टिकटिंग व्यवसाय बेचेगी। इसके बाद पेटीएम के शेयर की कीमत में 5: से अधिक की वृद्धि हुई। बीएसई पर पेटीएम के शेयर 604.45 रुपये पर पहुंच गए, जबकि ज़ोमैटो के शेयर 2.71: बढ़कर 267.00 रुपये पर पहुंच गए। समझौते के अनुसार, पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने अपने मनोरंजन टिकटिंग व्यवसाय की बिक्री के लिए निश्चित समझौते किए, जिसमें मूवी, खेल और इवेंट टिकटिंग शामिल हैं, जो ज़ोमैटो को 2,048 करोड़ में बेचे जाएंगे। पेटीएम की मूवी और इवेंट टिकटें अगले 12 महीनों के लिए संक्रमण काल घ्ध्के दौरान इसके ऐप पर उपलब्ध रहेंगी, जिसके बाद उपयोगकर्ताओं को 'बाहर जाने' के लिए ज़ोमैटो के आगामी ऐप पर पुनर्निर्देशित किया जाएगा। सौदे के बाद, एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा, अधिग्रहण के बाद, ज़ोमैटो के प्रबंधन का अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 में ळव्ट 10,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा। प्रबंधन को उम्मीद है कि गोइंग–आउट व्यवसाय समायोजित EBITDA के आधार पर ब्रेक–ईवन के करीब काम करेगा, जबकि मध्यम से लंबी अवधि में ळव्ट के प्रतिशत के रूप में संभावित रूप से 4–5: समायोजित म्ठप्ज्क ।ड प्रदान करेगा। प्रबंधन का मजबूत निष्पादन ट्रैक रिकॉर्ड यह विश्वास दिलाता है कि गोइंग–आउट लंबी अवधि में और अधिक मूल्य जोड़ेगा। इसमें कहा गया है, हमारे विचार में, यह सौदा पेटीएम की नकदी और नकद समकक्षों को बढ़ाएगा, जिसका उपयोग संभवतः आरबीआई की कार्रवाई के बाद अपने घटते भुगतान व्यवसाय को पुनर्जीवित करने के लिए रिवॉर्ड/कैश–बैक कार्यक्रम को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। आय व्यय के लिए समायोजित शुद्ध एकमुश्त लाभ वित्त वर्ष 25ई में शुद्ध घाटा कम करेगा, लेकिन भविष्य की आय को नुकसान पहुंचाएगा।

सरकार कर रही GST में छूट देने की तैयारी, विदेशी एयरलाइंस और विदेशी शिपिंग लाइनों को मिल सकता है फायदा

केंद्र सरकार इंफोसिस, विदेशी शिपिंग लाइनों और विदेशी एयरलाइंस को जीएसटी में छूट देने पर विचार कर रही है। केंद्र सरकार इस संबंध में आने वाले दिनों में विचार कर सकती है और इससे संबंधित फैसला ले सकती है। इसकी जानकारी मीडिया रिपोर्ट्र्स में दी गई है। सीएनबीसी–टीवी18 की रिपोर्ट की मानें तो केंद्र सरकार 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में जून के सर्कुलर में बदलाव करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि केंद्र को लगता है कि सेवा क्षेत्र को जीएसटी में स्पष्टता और व्यापार करने में आसानी की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने हाल ही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी के साथ–साथ कई विदेशी एयरलाइंस को नोटिस भेजा था। इससे पहले खबर आई थी कि डीजीजीआई ने ब्रिटिश एयरवेज, लुफ्थांसा और एमिरेट्स समेत 10 विदेशी एयरलाइनों को 10,000 करोड़ रुपये का कर नहीं चुकाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। ये नोटिस भारतीय शाखाओं द्वारा अपने मुख्य कार्यालयों से आयातित सेवाओं पर अदा न किए गए करों से संबंधित थे।

ये पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच अफगानिस्तान टीम से जुड़ा, आईपीएल में पंजाब किंग्स के भी रहे चुके हैं कोच

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी मैचों के लिए भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर को सीनियर मेंस टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 54 वर्षीय श्रीधर टीम के साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के साथ–साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए होंगे। इसके बाद लंबी अवधि के अनुबंध पर विचार किया जाएगा। 54 वर्षीय श्रीधर पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर हैं। वह 1990 के दौरान भारतीय घरेलू सर्किट में हैदराबाद के लिए खेले। उनके पास पर्याप्त कोचिंग अनुभव है। उन्होंने 2001 में अपना कोचिंग करियर शुरू किया। वह 2021 टी20 वर्ल्ड कप तक रवि शास्त्री की अगुवाई वाली कोचिंग स्टाफ का हिस्सा भी रहे।

उन्होंने भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया। 2008 से 2014 तक बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर ने बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में सहायक फील्डिंग और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया। श्रीधर 2014 के भारत अंडर–19 विश्व कप टीम के सहायक कोच भी थे। वह आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब फ्रेंचाइजी के भी कोच रहे हैं। अफगानिस्तान टीम में श्रीधर मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट के साथ काम करेंगे। टीम 9 सितंबर से नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीधर को सहायक कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के रामकृष्णन श्रीधर को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है।

मैं अब रुकने वाला नहीं हूं... रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी और डब्लूटीसी जीतने का दिया आश्वासन

टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद रोहित शर्मा का आत्मविश्वास बढ़ गया है। जिसके बाद उन्होंने आगामी दो आईसीसी इवेंट, चौंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का खिताब जीतने का आश्वासन दे दिया है। उनका कहना है कि ट्रॉफी का स्वाद चखने के बाद वह रुकने वाले नहीं है। बता दें कि, 2023 वर्ल्ड कप का खिताब गंवाने के बाद हिटमैन थोड़ा निराश थे, लेकिन कोच राहुल द्रविड़, सिलेक्टर अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव जय शाह के सपोर्ट के दम पर उन्होंने एक बार फिर टीम को खड़ा करने में कामयाब रहे और इस बार टीम के हाथ टी20 वर्ल्ड कप की चमचमाती ट्रॉफी लगी। रोहित शर्मा ने राहुल द्रविड़, अजीत अगरकर और जय शाह को अपने तीन स्तंभ भी बताया है। रोहित ने सिएट क्रिकेट रेटिंग अवॉड्र्स के दौरान कहा कि, इस टीम को बदलना और आंकड़ों, परिणामों के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करना, ये सुनिश्चित करना मेरा सपना था कि हम ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मैदान पर जाकर ज्यादा सोचे बिना खुलकर खेल सकें। इसी की जरुरत थी। मुझे अपनी तीन स्तंभो से बहुत मदद मिली जो असल में जय शाह, राहुल द्रविड़ और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर हैं।

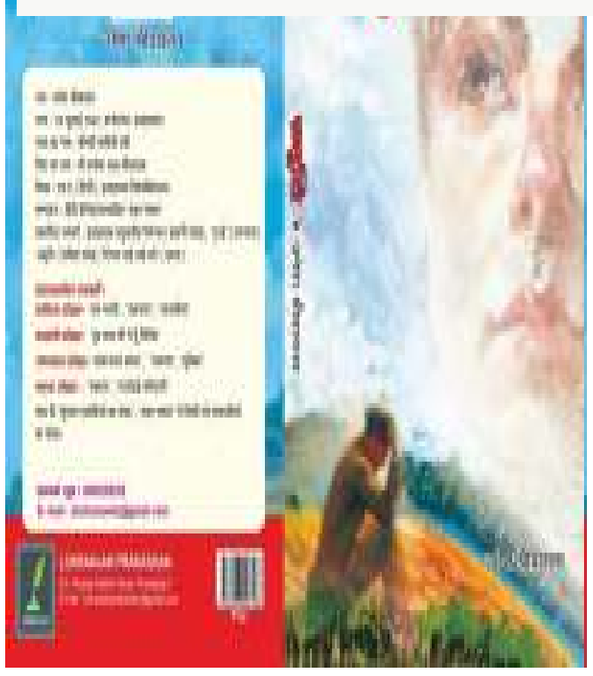

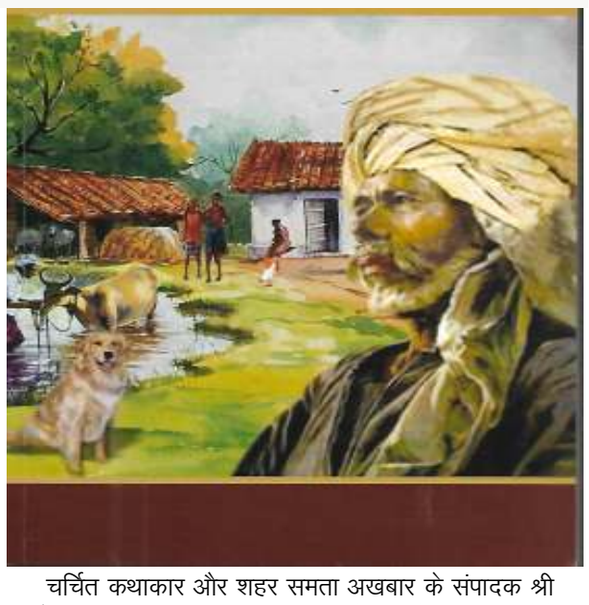

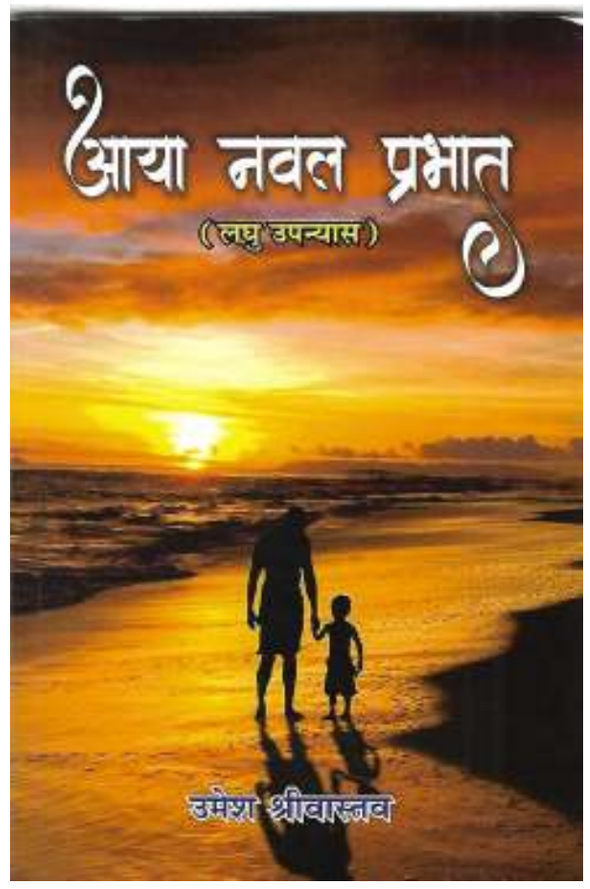

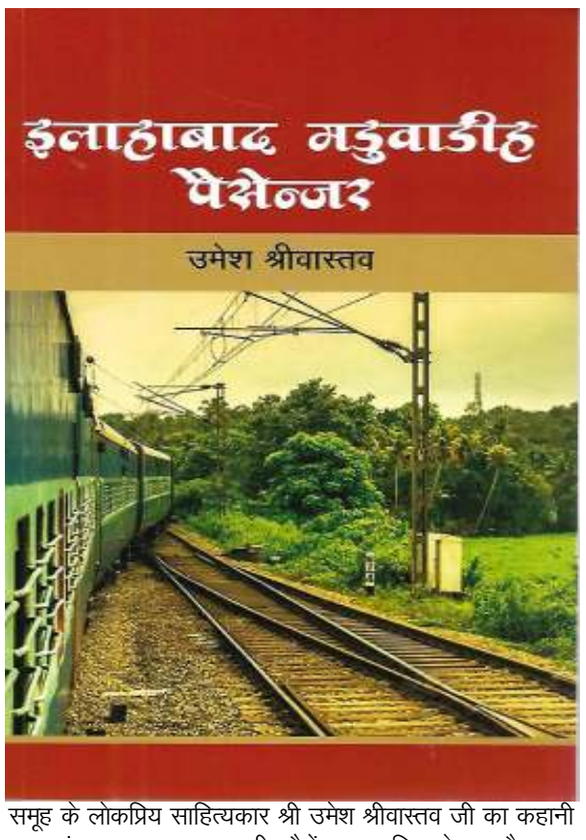

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

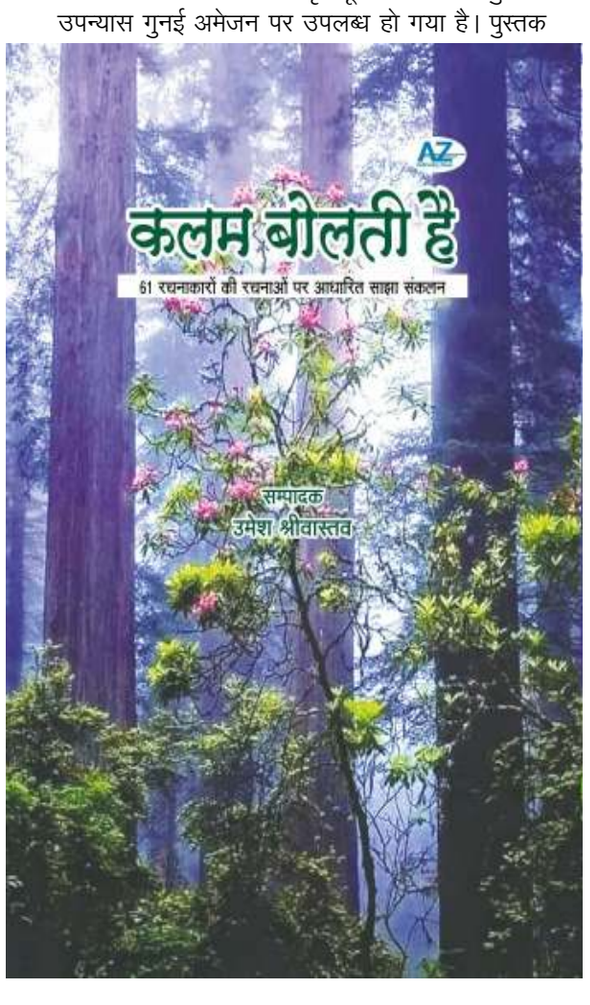

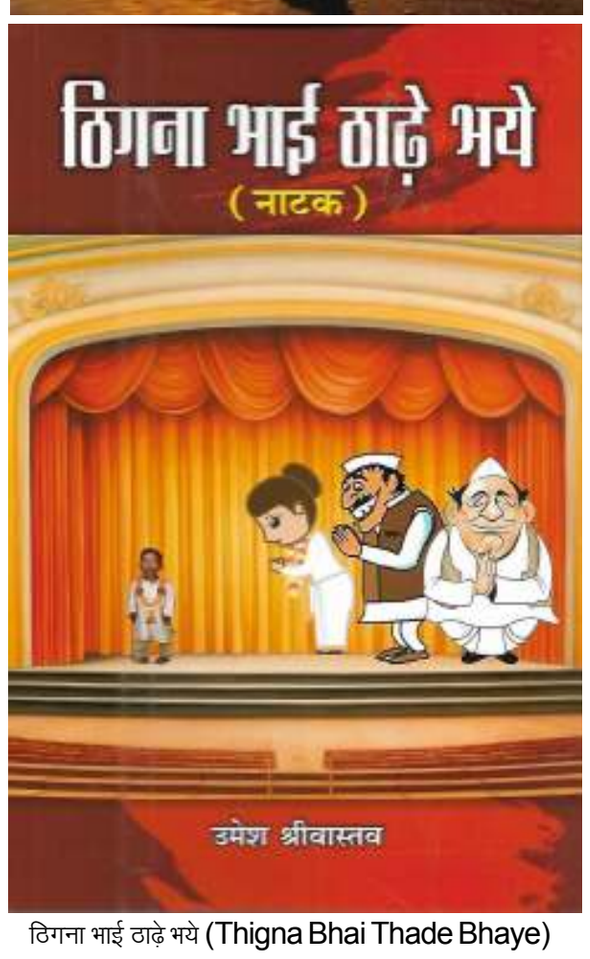

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शेख हसीना का ठिकाना अब भारत ही रहेगा? बांग्लादेश की सरकार ने पूर्व पीएम के खिलाफ ले लिया बड़ा फैसला

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके कैबिनेट मंत्रियों और संसद सदस्यों (सांसदों) सहित सभी राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने इस शर्त पर कहा कि यह कदम, जिसके लिए औपचारिक अधिसूचना जारी होनी बाकी है, उन अधिकारियों के राजनयिक पासपोर्ट पर भी लागू होगी जिन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति में भेज दिया गया था या जिनके अनुबंध समाप्त कर दिए गए थे। अधिकारी ने कहा कि

अंतरिम सरकार ने राजनयिक पासपोर्ट, जिन्हें आमतौर पर उनके रंग के कारण लाल पासपोर्ट के रूप में जाना जाता है, को रद्द करने का फैसला किया है। ये व्यक्ति अब आधिकारिक पदों पर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि वे अब अपने पद पर नहीं हैं, इसलिए उनका पासपोर्ट रद्द करने का निर्णय लिया गया। हालाँकि, उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने इस मामले पर आव्रजन और पासपोर्ट विभाग को केवल मौखिक निर्देश जारी किए हैं, हालांकि अभी तक कोई औपचारिक अधिसूचना नहीं दी गई है। अधिकारी ने कहा कि लिखित निर्देश विभाग को भेजा जा सकता है। यह निर्णय हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों के बांग्लादेश से भागने की कोशिश की खबरों की पृष्ठभूमि में किया गया था। छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के कारण हसीना ने पद छोड़ दिया और 5 अगस्त को भारत भाग गईं। कुछ रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि हसीना वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना चली गईं।

इस्लामाबाद में हिंसा की थी आशंका, इमरान खान की PTI ने टाला अपना शक्ति प्रदर्शन

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने इस्लामाबाद में गुरुवार को होने वाली अपनी नियोजित रैली को अगले महीने तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। यह निर्णय सरकार द्वारा प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करने के बाद आया, जिससे राजधानी में तनाव बढ़ गया। पीटीआई नेता आजम स्वाति ने खान के साथ बैठक के बाद रावलपिंडी में अदियाला जेल के बाहर रैली के पुनर्निर्धारण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इमरान खान के निर्देशानुसार रैली को 8 सितंबर को रिशेड्यूल किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार नई तारीख पर सहमत हो गई है। इसके अलावा, खान ने

कथित तौर पर अपने समर्थकों से घर लौटने का आग्रह किया था, जो पहले ही रैली स्थल की ओर जाना शुरू कर चुके थे। यह स्थगन पीटीआई और सरकारी अधिकारियों के बीच तनावपूर्ण गतिरोध के बाद हुआ। सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अंतिम समय में रैली के लिए पार्टी का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) रद्द कर दिया था। इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त मुहम्मद अली रंधावा ने मूल रूप से 31 जुलाई को जारी की गई एनओसी को यह कहते हुए निलंबित कर दिया कि मौजूदा स्थिति के कारण कार्यक्रम आयोजित करना असुरक्षित है। इस बीच, संभावित हिंसा की आशंकाओं के जवाब में, पहले, जब पीटीआई ने कहा था कि वह रैली जारी रखेगी, तब अधिकारियों ने संघीय क्षेत्र के सभी निजी और सार्वजनिक स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही, पंजाब गृह विभाग ने पूरे प्रांत में धारा 144 भी लागू कर दी, गुरुवार से शनिवार तक प्रभावी रहेगी।

पोलैंड में पीएम मोदी ने किया ऐसा धमाका, सुनकर रूस भी हिल जाएगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपने दो देशों के दौरे की शुरुआत करते हुए पोलैंड पहुंचे, इस दौरान वह यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे। यूक्रेन की अपनी यात्रा के दौरान, मोदी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं, और शांतिपूर्ण समाधान खोजने पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने पोलैंड में अपने संबोधन में कहा कि आप सभी पोलैंड के अलग–अलग हिस्सों से आए हैं। सबकी अलग–अलग भाषाएं हैं, बोलियां हैं, खान–पान है, लेकिन आप सभी भारतीयता के भाव से जुड़े हुए हैं। आपने यहां इतना शानदार स्वागत किया है, मैं आप सभी का, पोलैंड की जनता का इस स्वागत के लिए बहुत आभारी हूं।

भारत को विश्व बंधु के रूप में सम्मान मिल रहा

भारत, बुद्ध की विरासत वाली धरती है, जो युद्ध नहीं, शांति पर विश्वास करती है। इसलिए, भारत इस रीजन में भी स्थाई शांति का एक बड़ा पैरोकार है। भारत का मत एकदम साफ है, ये युद्ध का युग नहीं है। भारत का विसडम ग्लोबल है, जिन ग्लोबल है, हमारे पूर्वजों ने हमें वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र दिया है। भारत का कल्चर ग्लोबल है, केयर और कम्पैशन ग्लोबल है, हमने पूरी दुनिया को एक परिवार माना है और यही आज के भारत की नीति और निर्णयों में नजर आता है। आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है, आज का भारत सबके विकास की बात करता है, आज का भारत सबके साथ है, सबके हित की सोचता है। हमें गर्व है कि आज दुनिया, भारत को विश्व बंधु के रूप में सम्मान दे रही है।

जहां कोई देश नहीं पहुंच पाया, वहां भारत पहुंचा

पीएम मोदी ने कहा कि इकोनॉमी और इकोलॉजी में बैलेंस आज भारत की प्राथमिकता है। ये भारत ही है, जो विकसित भारत और नेट जीरो नेशन, ये दोनों संकल्प एक साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। मैंने देश की जनता को वादा किया है, मेरे तीसरे टर्म में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा। NASSCOM का अनुमान है कि भारत अपने Digital Infrastructure के कारण इस दशक के अंत तक एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन जाएगा। अभी दो दिन बाद, 23 अगस्त को ही छंजपवदंसै चंबम क्ंल है। इसी दिन भारत ने चंद्रमा के साउथ पोल पर अपना चंद्रयान उतारा था। जहां कोई देश नहीं पहुंच पाया, वहां भारत पहुंचा है और उस स्थान का नाम है– शिवशक्ति।

2047 तक खुद को विकसित बनाने का संकल्प

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही आप लोगों ने यहां आजादी का उत्सव मनाया है। आजादी के आंदोलन के समय हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने समृद्ध भारत का सपना देखा था, आज हर भारतीय उस सपने को साकार करने के लिए जी–तोड़ मेहनत कर रहा है। भारत ने लक्ष्य तय किया है, भारत 2047 तक खुद को विकसित बनाने का संकल्प लेकर चल पड़ा है। भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी तो है ही इसके साथ ही भारत पार्टिशिपेटिव और वाइब्रेंट डेमोक्रेसी भी है। भारत के लोगों का डेमोक्रेसी पर अटूट भरोसा है। ये भरोसा हमने हाल के चुनावों में भी देखा है। ये इतिहास का सबसे बड़ा चुनाव था।

दुनिया के किसी भी देश में संकट आए, भारत मदद करने वाला पहला देश

पीएम मोदी ने कहा कि हम भारतीयों की एक पहचान मउचंजील भी है। दुनिया के किसी भी देश में संकट आए, भारत पहला देश होता है, जो मदद के लिए हाथ बढ़ाता है। कोविड आया, तो भारत ने कहा– भ्नउंदपजल पितेज. हमने दुनिया के 150 से अधिक देशों को दवाइयां और वैक्सीन भेजी। दुनिया में कहीं भी भूकंप आता है, कोई आपदा आती है, भारत का एक ही मंत्र है– भ्नउंदपजल पितेज. कहीं युद्ध हो, तो भारत कहता है– भ्नउंदपजल पितेज और इसी भाव से भारत, दुनियाभर के नागरिकों की मदद करता है।

पाकिस्तान के पंजाब में आतंकी हमले से मची चीख–पुकार

स्कूल वैन पर बरसाई गई ताबड़तोड़ गोलियां, 2 बच्चों की मौके पर ही मौत

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने स्कूल वैन को अपना निशाना बनाया है। स्कूल वैन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गई हैं। दो बच्चों की मौत की खबर है। जियो न्यूज के अनुसार अटक के ढेरी कोट में एक स्कूल वैन पर बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बंदूक हमले में घायल हुए बच्चों की उम्र पांच से 12 साल के बीच है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। हमले में मारे गए बच्चों में एक नौ साल का और एक 10 साल का बच्चा शामिल है, जबकि पांच घायलों में दो आठ साल के, एक सात साल का, एक 12 साल का और एक बच्चा चार साल का है। दो बच्चों – अरवा फातिमा और रमीन शफीक नाम की दोनों लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद घटनास्थल पर पहुंचे बचाव अधिकारियों ने घायल बच्चों और शवों को असफंदयार बुखारी जिला अस्पताल अटॉक में स्थानांतरित कर दिया। हमले के मद्देनजर पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने रावलपिंडी के कमिश्नर अब्दुल आमिर खट्टक से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री ने भी हमले में दो बच्चों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम मरियम ने संबंधित अधिकारियों को उन बच्चों को सर्वोत्तम उपचार सुविधाएं प्रदान करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें चोटें लगी हैं। अटैक के डिप्टी कमिश्नर राव आतिफ रजा ने जियो न्यूज से बातचीत में कहा कि स्कूल वैन पर बंदूक से हमला ड्राइवर की निजी दुश्मनी का नतीजा था। उन्होंने कहा कि पिछले महीने इसी दुश्मनी के कारण एक वन अधिकारी और उसके दोस्त की हत्या कर दी गई थी और हत्या का बदला लेने के लिए वैन चालक – अफ़ज़ाल – पर हमला किया गया था। डीसी ने बताया कि हमले में ड्राइवर घायल हो गया, लेकिन बच्चों पर भी हमला किया गया। डीसी के मुताबिक, हमले में ड्राइवर के साथ यात्री सीट पर बैठी दो लड़कियों की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर खुद घायल है।

कमला हैरिस के पति ने मंच पर साझा की प्रेम कहानी, पहली मुलाकात का किस्सा सुनाया

शिकागो। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने अपनी प्रेम कहानी साझा की और याद किया कि कैसे 2013 में एक 'ब्लाइंड डेट' पर उनके बीच प्रेम की शुरुआत हुई और कमला के लिए एक अजीब 'वॉइस मैसेज' छोड़ा था, जिसे वह उनकी शादी की हर सालगिरह पर सुनाती हैं। मंगलवार रात यहां डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर एमहॉफ ने यह किस्सा साझा किया, ताकि वह हैरिस के लिए समर्थन जुटा सकें। उन्होंने बताया कि उन्हें वकालत का पेशा बहुत पसंद है। वह बेटे कोल और बेटी एला के पिता बने, (पूर्व पत्नी) से तलाक लिया और फिर 'कुछ अप्रत्याशित हुआ'— हैरिस के साथ एक 'ब्लाइंड डेट' पर गए। एमहॉफ ने कहा, ''2013 में, मैं एक मुवक्किल से विवादास्पद मुलाकात करने गया। हमने मुद्दे पर काम किया और बैठक के अंत में प्रसन्न मुवक्किल ने मुझे 'ब्लाइंड डेट' पर जाने का प्रस्ताव दिया — और इस तरह मुझे कमला हैरिस का फोन नंबर मिला।'' एमहॉफ (59) ने कहा कि उन्होंने एक लंबा और अजीब सा पहला 'वॉइसमेल' छोड़ा था, जिसे हैरिस (59) अब हर वर्ष उनकी शादी की सालगिरह पर उन्हें सुनाती हैं। उन्होंने कहा, ''पीढ़ियों से लोग इस बात पर बहस करते रहे हैं कि जिस व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो रही है, उसे कब कॉल करना चाहिए, और पहले कभी किसी ने सुबह 8रू30 बजे का सुझाव नहीं दिया। और फिर भी, मैंने उसी समय कॉल किया। मुझे कमला का वॉइसमेल मिला। मैं इधर–उधर की बातें बोलने लगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे याद है कि मैं हड़बड़ाहट में बोले गए शब्दों को स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा था। बहुत समय लगने के बाद, मैंने फोन काट दिया। लेकिन, कमला ने उस वॉइसमेल को सहेज लिया, और वह मुझे हर सालगिरह पर इसे सुनाती है।

बांग्लादेश राजनीतिक हिंसा: खालिदा जिया की एंट्री, भारत सरकार से कर दी ये बड़ी मांग

बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी ने शेख हसीना को लेकर भारत से एक अहम मांग की है। बीएनपी ने कहा कि भारत को शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेज देना चाहिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। बीएनपी का दावा है कि शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में हत्या समेत तुम फिर मामलों में मुकदमे दर्ज है। को कानूनी प्रक्रिया के तहत बांग्लादेश की सरकार को शेख हसीना को सौंप देना चाहिए। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिर हुसैन भी इस तरह की बात पहले कर चुके हैं। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के

बाद वहां के छात्र संगठनों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका वापस भेजने की मांग शुरू कर दी है। हालांकि भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि मौजूद है। सरकार फिलहाल इस तब आपके तहत कोई भी कदम उठाने के मूड में नहीं है। देश में शेख हसीना के खिलाफ अब तक 31 मुकदमे दर्ज किये जा चुके। बांग्लादेश के खिलाफ 2013 से प्रत्यर्पण संधि है जिसमें दोनों देश एक दूसरे देश से भाग कर आए लोगों को प्रत्यर्पित करते हैं। हालांकि द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि राजनीति से संबंधित लोगों पर लागू नहीं होती है। बांग्लादेश में चल रहा है सियासी उठा पटक के बीच बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया लंबे इलाज के बाद घर वापस आ गई है। बुधवार की शाम सात बजकर 22 मिनट पर अपने गुलशनमार्ग स्थित आवास फिरोजा पहुंची हैं। इससे पहले शाम करीब 7रू00 वह एवर केयर अस्पताल से अपने घर के लिए रवाना हुई थी। खालिदा जिया के घर पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया। उनसे मिलने के लिए लोगों की भारी हुजूम उनके आवास के पास नजर आई।

अमेरिका के दावों की इजरायल ने निकाल दी हवा, गाजा–मिस्र सीमा से सैनिकों की वापसी की बात को नकारा

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन दावों का खंडन किया है कि उन्होंने हमास के साथ संभावित युद्धविराम समझौते के हिस्से के रूप में गाजा–मिस्र सीमा से सैन्य बलों को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की है। इज़राइल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी की रिपोर्टों के विपरीत, अमेरिका द्वारा समर्थित वर्तमान युद्धविराम प्रस्ताव, जिसमें बंधकों की रिहाई शामिल है और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा इज़राइल द्वारा स्वीकार किए जाने की घोषणा की गई थी। जिसमें दावा किया गया था कि कथित तौर पर इज़राइली सैनिकों की वापसी शामिल है। फिलाडेल्फ़ी कॉरिडोर से गाजा पट्टी और मिस्र के बीच एक रणनीतिक सीमा क्षेत्र। कहा जाता है कि हमास और मिस्र जिन्होंने वार्ता मेंमहत्वपूर्ण भूमिका निभाई गलियारे पर इजरायल के नियंत्रण का विरोध करते हैं। नेतन्याहू ने इन रिपोर्टों को गलत करार दिया और जोर देकर कहा कि इज़राइल ने क्षेत्र पर नियंत्रण छोड़ने के लिए सहमति नहीं दी है। बयान में कहा गया कि इजरायल सुरक्षा कैबिनेट द्वारा परिभाषित अपने सभी युद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने पर जोर देगा, जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए सुरक्षा खतरा पैदा न करे। इसके लिए दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, की नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने बंधकों के लिए संघर्ष विराम समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए फोन पर बात की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे
एम्बुलेंस सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971697
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूँसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ० सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
24/7
Contact :- 0532-2971619, 8840346602
दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा
B.D.S, MIDA
(मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
डा. एस.के. वर्मा
(दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400